श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 290

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, शनिवार 6 अगस्त 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में कोरोना के मिले 435 नए मामले तीन लोगों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना एक फिर डरा रहा है। शुक्रवार को यहां कोरोना वायरस के 435 नए मामले सामने आए हैं, जहां पॉजिटिव रेट 4.24 प्रतिशत है वहीं संक्रमितों की संख्या 11,68,437 हो गई है, जबकि मरने वालों की संख्या तीन बढ़कर 14,075 हो गई है।

छत्तीसगढ़ में इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3513 पहुंच गई है। अधिकारी ने कहा कि रायपुर में 76 मामले सामने आए, इसके बाद राजनांदगांव में 38, बालोद में 37, दुर्ग में 30, रायगढ़ में 24 और बिलासपुर में 15 मामले सामने आए। कोरोना से रायपुर में 2 और बस्तर जिले में 1 मरीज की मौत भी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में 406 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 22 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। साथ ही बताया कि 10,248 स्वाब नमूनों की जांच के साथ, राज्य में अब तक किए गए परीक्षणों की संख्या 1,82,90,488 हो गई है।

ग्रामीणों की खातिर आधी रात को खुला हाईकोर्ट, घर खाली करने के नोटिस पर रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में गुरुवार को आधी रात को सुनवाई हुई। यह भी साफ हो गया कि जरूरतमंद को न्याय देने के लिए कोर्ट किसी भी समय खुल सकता है। कोर्ट ने ग्रामीणों को अंतरिम राहत देते हुए उन्हें घर से बाहर निकालने पर फिलहाल रोक लगा दी है। मामला महासमुंद जिले के बागबहरा का है। वहां जंगल में सालों से रह रहे ग्रामीणों को तहसीलदार ने बेदखली का वारंट जारी किया था। घबराए ग्रामीणों ने रात आठ बजे हाईकोर्ट में अर्जी लगाई। याचिकाकर्ता के वकील ने रजिस्ट्री के माध्यम से अर्जेंट सुनवाई का हवाला दिया। अनुरोध किया कि मामले की गंभीरता के मद्देनजर जस्टिस पी सेम कोशी ने रात 11 बजे सुनवाई करते हुए कार्यवाही पर रोक लगा दी। इससे ग्रामीणों को फौरी राहत मिली है। इस मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त को होगी।

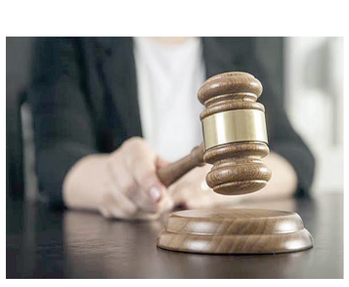

देर शाम को पहुंचा प्रशासनिक अमला

महासमुंद जिले के बागबहरा क्षेत्र के लालपुर में 75 साल से सरकारी जमीन पर ग्रामीण रह रहे थे। उनके मकान तोड़ने प्रशासन का अमला देर शाम पहुंचा। तोड़फोड़ शुरू कर दी थी। ग्रामीण फूलदास कोसरिया व योगेश के अधिवक्ता वकार नैय्यर, शांतम अवस्थी, प्रांजल शुक्ला, फैज काजी व अभिषेक बंजारे ने रजिस्ट्री के अधिकारियों को बताया कि महासमुंद जिले के ग्रामीणों की याचिका पर अर्जेंट सुनवाई होनी चाहिए। रजिस्ट्री के अफसरों ने चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी से संपर्क किया। उनके निर्देश पर जस्टिस पी. सैम कोशी ने सुनवाई की और याचिका को स्वीकार करते हुए स्टे दे दिया।

आजादी से पहले से ग्रामीणों का कब्जा

वकीलों ने कोर्ट को बताया कि ग्रामीण आजादी के पहले यानी 75 साल से अधिक समय से सरकारी जमीन पर रह रहे हैं। उनसे 1982 से टैक्स भी लिया जा रहा है। इसके बाद भी प्रशासन ने नोटिस देकर 24 घंटे का ही समय दिया। कब्जा खाली करने का फरमान जारी कर दिया। गुरुवार शाम 5.30 बजे बेदखली के लिए पहुंच गए। तहसीलदार ने 8 जुलाई और सीएमओ ने 12 जुलाई को नोटिस जारी किया। उन्हें 24 घंटे में कब्जा खाली करने के निर्देश दिए गए। जब गांव के लोगों ने कब्जा खाली नहीं किया तब प्रशासन की टीम पहुंची।

केंद्र ने छत्तीसगढ़ सरकार को किया आगाह, ग्रामीण आवास योजना को सही तरीके से करें लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार को आगाह किया है कि अगर ग्रामीण आवास योजना को सही तरीके से लागू करने में विफल रहता है तो केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय अपनी अन्य प्रमुख योजनाओं के समर्थन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) को 1 अप्रैल 2016 से लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य मार्च 2024 तक सभी के लिए आवास प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव

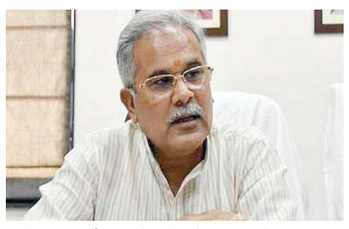

अमिताभ जैन को लिखे पत्र में ग्रामीण विकास सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने उल्लेख किया है कि इस संबंध में कई पत्रों और बैठकों के बावजूद राज्य सरकार ने संतोषजनक प्रगति नहीं दिखाई है।

यह रेखांकित करते हुए कि राज्य सरकारों द्वारा इस योजना को जमीनी स्तर पर लागू किया गया है, सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 2020-21 में संबंधित राज्य के हिस्से को जारी नहीं करने के कारण आवंटित 6.48 लाख घरों के लक्ष्य में से अधिकांश को वापस लेना पड़ा। सिन्हा ने कहा कि 2021-22 में ग्रामीण विकास मंत्रालय को लगभग 7.82 लाख घरों के आवंटित लक्ष्य को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, ऐसा राज्य के हिस्से का 562 करोड़ रुपये जारी करने में असमर्थता के कारण हुआ।

राज्य के हिस्से के 562 करोड़ रुपये जारी नहीं किए

सिन्हा ने पत्र में कहा, यदि राज्य पीएमएवाई-जी को लागू करने में असमर्थ है, तो मंत्रालय को अन्य प्रमुख ग्रामीण विकास (मंत्रालय) योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए अपने समर्थन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय के विभिन्न स्तरों से छत्तीसगढ़ सरकार को कई दौर के संचार के बावजूद इसने न तो संतोषजनक प्रगति दिखाई है और न ही 562 करोड़ रुपये के राज्य के हिस्से को जारी किया है, जिसके परिणामस्वरूप पीएमएवाई-जी का काम रुक गया है।

सीपीसीसी अध्यक्ष ने आरएसएस प्रमुख को भेजा तिरंगा, बोले- इसे संघ मुख्यालय पर फहराएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (सीपीसीसी) के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागव को तिरंगा भेजा और उनसे महाराष्ट्र के नागपुर में संगठन के मुख्यालय में इसे फहराने का आग्रह किया।

कांग्रेस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि मरकाम ने खादी से बने राष्ट्रीय ध्वज को कूरियर के माध्यम से भागवत को भेजा है और अनुरोध किया है कि इसे स्वतंत्रता दिवस पर नागपुर में संघ मुख्यालय में फहराया जाए।

प्रधानमंत्री ने की है देश के लोगों से ये अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से 2 से 15 अगस्त तक अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी (डिस्प्ले पिक्चर या प्रोफाइल पिक्चर) में तिरंगे का इस्तेमाल करने और 15 अगस्त को अपने घरों के ऊपर तिरंगा फहराने की अपील की है। विज्ञप्ति में मरकाम के हवाले से कहा गया है, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट सहित सोशल मीडिया अकाउंट में प्रोफाइल पर तिरंगा नहीं लगाया है, जिससे प्रधानमंत्री की अपील खारिज हो गई है।

आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराने का आग्रह

मरकाम ने प्रधानमंत्री से आरएसएस प्रमुख से नागपुर में अपने मूल संगठन के मुख्यालय में तिरंगा फहराने का अनुरोध करने के लिए कहा और दावा किया कि पिछले 52 वर्षों में वहां राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया गया था। केंद्र ने लोगों और संगठनों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारत की आजादी के 75 साल पूरे करने को कहा है।

संपादकीय

ताकि राहत मिले

कतई संदेह नहीं कि महंगाई पर नियंत्रण जरूरी है और भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी के अनुरूप मौद्रिक नीति में परिवर्तन किए हैं। खास यह भी है कि मौद्रिक नीति के ऐलान से पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई का हवाला दिया। महंगाई को लेकर न तो गवर्नर की चिंता नई है और न उनके द्वारा किया गया उपाय। उन्होंने रेपो रेट को 0.50 फीसदी बढ़ाने का ऐलान किया है, यानी भारत में रेपो रेट अब 4.90 से बढ़कर 5.40 फीसदी पर पहुंच गया है। रेपो रेट बढ़ाने का सीधा असर यह होगा कि बाजार में नकदी का अभाव होगा, खरीद-बिक्री पर असर पड़ेगा। मांग कम और आपूर्ति ज्यादा रहेगी, तो कीमतें घटेंगी। यह बाजार में धन की तरलता घटाने के लिए किया जाने वाला पुराना उपाय है। बाजार में तेजी लाने के लिए रेपो रेट घटाया जाता है और तेजी कम करने के लिए रेपो रेट बढ़ाया जाता है।

> कई देश हैं, जहां महंगाई दर भारत से बहुत ज्यादा है, पर जो अमीर देश हैं, वहां सरकार आम आदमी के पीछे खड़ी है, जबकि अन्य देशों में यह मुमकिन नहीं है। चुनौतियों के बावजूद देश की विकास दर 7.2 पर बरकरार है। वैसे वैश्विक हालात को देखते हुए भारत को अपना मुद्रा भंडार बचाकर रखना होगा। खजाना ज्यादा खोलने के अपने खतरे हैं, पर यह प्रबंध किया ही जा सकता है कि यह जब भी और जितना भी खुले, लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

बहरहाल, कुछ दिनों से इसकी संभावना थी। सरकार के पास कोई खास उपाय नहीं है, क्योंकि उसका ज्यादा ध्यान राजस्व पर है, ताकि वित्तीय घाटा ज्यादा बढ़ने न पाए। पिछले दिनों दैनिक जरूरत की चीजों पर जीएसटी लगाकर या बढ़ाकर उसने अपनी कमाई बढ़ाने का उपाय किया है, अत: महंगाई घटाने की जिम्मेदारी भारतीय रिजर्व बैंक पर आ पड़ी है। वैसे बाजार में कुल मिलाकर खुशी है। शुक्रवार को मौद्रिक समीक्षा नीति की घोषणा से पहले ही शेयर बाजार मजबूती के साथ खुले। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 122 अंकों के फायदे के साथ खुला। कमोबेश यही स्थिति निफ्टी में भी रही। दरअसल, बढ़ती महंगाई में ज्यादातर कंपनियां अपना फायदा देख रही हैं। रेपो रेट बढ़ने के बावजूद शेयर बाजार में उछाल की एक वजह यह भी है कि बाजार आश्वस्त हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था ऊंची मुद्रास्फीति से जूझ रही है और इसे नियंत्रण में लाना जरूरी है, लेकिन क्या इसमें रिजर्व बैंक को कामयाबी मिलेगी? कर्जमाफी और बड़ी कंपनियों को मिल रही राहत का फायदा क्या आम लोगों को मिल पा रहा है? अनेक देशी-विदेशी बड़ी कंपनियों से राजस्व की कमजोर उगाही को लेकर भी शिकायतें हैं। ऐसे में, एक सवाल यह भी है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी से आम लोगों को कितना फायदा होगा? क्या रेपो रेट को और बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी? फिलहाल भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 6.7 प्रतिशत पर कायम रखा है। आंकड़े कुछ भी कहें, लेकिन जमीनी स्तर पर महंगाई की चुभन कुछ ज्यादा ही है। आम आदमी के लिए दोतरफा परेशानी है, क्योंकि रेपो रेट में वृद्धि से कर्ज महंगा होना तय है। होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन की किस्तों में और इजाफा होगा। आंकड़ों में समझें, तो अगर आपकी किस्त 24,168 रुपये है, तो बढ़कर 25,093 रुपये पर पहुंच जाएगी। गवर्नर ने माना है कि देश की अर्थव्यवस्था ऊंची मुद्रास्फीति से जूझ रही है, लेकिन अभी जो वैश्विक हालात हैं, राहत का ठोस अनुमान कोई नहीं लगा सकता। कई देश हैं, जहां महंगाई दर भारत से बहुत ज्यादा है, पर जो अमीर देश हैं, वहां सरकार आम आदमी के पीछे खड़ी है, जबकि अन्य देशों में यह मुमकिन नहीं है। चुनौतियों के बावजूद देश की विकास दर 7.2 पर बरकरार है। वैसे वैश्विक हालात को देखते हुए भारत को अपना मुद्रा भंडार बचाकर रखना होगा। खजाना ज्यादा खोलने के अपने खतरे हैं, पर यह प्रबंध किया ही जा सकता है कि यह जब भी और जितना भी खुले, लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

कोश्यारी की गलती क्या है?

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के एक बयान को लेकर महाराष्ट्र के नेता लोग कैसा धमाल मचा रहे हैं ? कोश्यारी ने मारवाड़ियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि यदि मारवाड़ी और गुजराती व्यापारियों को हटा दिया जाए तो मुंबई देश की आर्थिक राजधानी नहीं रह पाएगी। कोश्यारी के इस बयान में गलत क्या है? उन्होंने जो सर्वमान्य तथ्य है, उसे बस कहा भर है। उन्होंने महाराष्ट्र के मराठों और दक्षिण भारतीयों के बारे में कोई ऐसी बात नहीं कही, जो अपमानजनक या आपत्तिजनक है। उन्होंने मुंबई के मारवाड़ी और गुजराती सेठों की पीठ ठोककर महाराष्ट्र का भला ही किया है। सेठों को यह नहीं लगेगा कि वे महाराष्ट्र पर कोई बोझा हैं। कोश्यारी के बयान से वे थोड़े और उत्साहित हो जाएंगे। जहां तक मराठीभाषी लोगों का सवाल है, उन्होंने ऐसा एक शब्द भी नहीं बोला, जिससे उनका अपमान हो या अवमूल्यन हो। जब पक्ष और विपक्ष के सभी नेताओं ने उनके बयान की आलोचना की तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनके अभिप्राय को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। वे मराठी लोगों के योगदान के प्रशंसक हैं लेकिन ज़रा हम देखें कि महाराष्ट्र के सभी नेता कैसी भेड़चाल चल रहे हैं। भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस आदि सभी दलों के नेताओं ने राज्यपाल के बयान को या तो गलत बताया है या उसकी कड़ी भर्त्सना की है। हर नेता मराठीभाषी मतदाताओं को खुश करने के लालच में फिसलता गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अपना मौन तोड़ दिया। किसी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि अधमरी शिवसेना के पति उद्धव ठाकरे को कोई मुंहतोड़ जवाब देता। ठाकरे ने शिष्टता की सारी मर्यादाओं का उल्लंघन कर दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्यपाल को इस वक्त 'कोल्हापुरी चप्पल' दिखाने का वक्त है। इतना फूहड़ बयान तो किसी नेता का आज तक हमने कभी सुना नहीं। जो व्यक्ति महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री रह चुका हो, वह एक बुजुर्ग राज्यपाल के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने राज्यपाल कोश्यारी पर 'नमकहरामी' होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से कोश्यारी महाराष्ट्रियनों का नमक खा रहे हैं और फिर भी उनकी निंदा कर रहे हैं। वे मराठी और गैर-मराठी लोगों में दुश्मनी पैदा कर रहे हैं। उन्हें बर्खास्त किया जाए या जेल भेजा जाए। ये सारे विषाक्त वाक्य क्या बता रहे हैं? यही कि उद्धव ठाकरे की हताशा चरम सीमा पर है। वे अपने खाली झुनझुने को पूरी ताकत से हिला रहे हैं। उनका बयान सुनकर मराठी-मानुस उन पर हंसने के अलावा क्या कर सकते हैं? वे अब चाहें तो मारवाड़ियों और गुजरातियों को महाराष्ट्र से भगाने का अभियान भी चला सकते हैं लेकिन कांग्रेस और शरद पवार कांग्रेस की गोद में बैठकर सत्ता-सुख भोगनेवाले ठाकरे परिवार की बौखलाहट पर अब मराठी लोग कान क्यों देंगे?

वेद प्रताप वैदिक

> **अतः सबक यही निकलता है कि बेरोजगारी मुआवजा वास्तविक रोजगार का विकल्प नहीं है। आप चाहे उन्हें कितना भी धन दे दें, वे संतुष्ट नहीं होंगे। काम करने से व्यक्ति को जो संतुष्टि मिलती है, वह उन्हें कभी नहीं मिलेगी। अतः हमें अपने शास्त्रों से, अपनी संस्कृति से, अपनी सभ्यता से यह सब विचार धारण करने चाहिए, आकर्षक सांसारिक वस्तुओं की चकाचौंध से चुंधियाकर जीवन के सनातन पक्ष को नहीं भुलाना चाहिए।**

पी वी नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री

कहीं छोटी तकलीफों में खुद को खो न देना

यह सत्र इसलिए बुलाया गया है कि हम स्वतंत्रता के पचास वर्ष मना रहे हैं। ...इसका भारत के लिए विशेष महत्व है। ...हम दो सहस्राब्दियों के संगम पर हैं। ...20वीं शताब्दी में क्या हुआ, हम सभी इससे परिचित हैं। हम इससे गुजरे हैं। हम अब भी इससे गुजर रहे हैं... यदि आप ऐसा सोचते हैं कि भारत में अब केवल हिंदू और मुस्लिम तथा ईसाई और अन्य जातियों के बीच संघर्ष होगा, तो आप भूल कर रहे हैं। ऐसी बातें कभी-कभी समाचार पत्रों में लिखी जाती हैं। लेकिन शायद आप यह नहीं जानते हैं कि भारत के लोग कितने शांति-प्रिय हैं। भारत की 96 करोड़ जनसंख्या हर दिन हर पल आपस में लड़ती नहीं रहती।

...यदि किसी राज्य की राजनीति या व्यक्ति विशेष का आचरण नैतिकता से निर्देशित होता है, तो वह आने वाले समय में न केवल अत्यधिक परोपकारी कार्य होगा, अपितु स्वयं के भविष्य के लिए भी बहुत अच्छा कार्य होगा। ...यदि हम भविष्य की बात कर रहे हैं, यदि हम अगली सहस्राब्दी के बारे में बात कर रहे हैं, तो हमें यह समझना होगा कि अगली सहस्राब्दी में क्या रुझान रहते हैं, इस देश में हमें किस तरह की परिस्थिति का सामना करना पड़ेगा। यदि हमारी सोच अभी भी स्पष्ट नहीं है या कुछ हद तक स्पष्ट है कि हमें क्या करना चाहिए, तो मुझे खेद है कि हम ऐसे ही खोजते रह जाएंगे। दूसरे हमसे आगे निकल जाएंगे और हम अनिश्चय की स्थिति में ही रह जाएंगे।...हमारी सभ्यता ने इनका समाधान खोज लिया है, क्योंकि हमने मध्य मार्ग का अनुसरण किया। हम हमेशा से कहते आए हैं, अति सर्वत्र वर्जयेत् । छोटी सी सूक्ति है। यही मध्य मार्ग है। संभवत: जिसका सर्वप्रथम प्रतिपादन बुद्ध ने किया था। आज भी देखिए, भारत की कितनी नीतियां मध्य मार्ग पर आधारित हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था और क्या है?

...पंडित जी (नेहरू) ने कहा था : विश्व में कई देश हैं, परंतु भारत का एक विशेष स्थान है। ऐसा इसीलिए नहीं कहा, क्योंकि वह उग्र राष्ट्रवादी थे। वह उग्र राष्ट्रवादी नहीं थे। फिर भी उन्होंने यह तर्क दिया। यह सही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत यूनियन और चीन ऐसे तीन उदाहरण हैं, जिनकी अपनी पहचान है। और चौथा उन्होंने कहा था, ऐसा देश भारत है। भारत अभी ऐसा राष्ट्र नहीं बना है, उस समय भी नहीं था, जब उन्होंने ऐसा कहा था, परंतु उन्होंने ऐसा एक भविष्य द्रष्टा के रूप में कहा था। ...क्या हमें अपनी छोटी-छोटी कठिनाइयों में अपने आप को खो देना चाहिए? यह बात सही है कि प्रत्येक देश, प्रत्येक राष्ट्र ऐसे उतार-चढ़ावों से गुजरता है। परंतु यदि हमारे पास आगामी सहस्राब्दी में करने के लिए कुछ कार्य नहीं होगा या हम किसी चीज के लिए संघर्ष नहीं करेंगे, तो मेरे विचार से हमारी यह बदकिस्मती होगी और शायद भारत विश्व समाज में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए रखने में समर्थ नहीं हो पाएगा।

...हम अपनी कल्पनाशक्ति को कितना भी दौड़ा लें, परंतु जिस तरह के औद्योगीकरण के पीछे हम दौड़ रहे हैं, उससे क्या इतनी अधिक जनसंख्या को रोजगार दिया जाना संभव है? हम किसलिए काम करते हैं? हमारे भारतीय लोकाचार के अनुसार, यह दुनिया केवल धन कमाने के लिए नहीं है, रोजगार मात्र धन अर्जन का हेतु नहीं है, यह जीवन का एक मूल्य है, काम जीवन-मूल्य है। भगवान कृष्ण ने कर्मयोग के ऊपर एक पूरा अध्याय अर्पित किया है और स्वयं के लिए भी वह यही कहते हैं।... वह कहते हैं : न में पार्थ अस्ति कर्तव्यं (मेरा कोई कर्तव्य नहीं, किसी ने मुझे कर्तव्य में आबद्ध नहीं किया, मैं स्रष्टा हूं)। त्रिषु लोकेषु किंचन अर्थात मैं सभी लोकों में कार्यशील हूं। चाहे किसी ने मेरे कर्तव्य का निर्धारण नहीं किया, फिर भी मैं कर्तव्य करता हूं।

महोदय, एक बेकार व्यक्ति चाहे वह बेकारी भत्ता लेता है या नहीं, कुछ देशों में बेकारी भत्ता दिया जाता है, वहां की सामाजिक समस्याएं इससे सुलझती नहीं, अपितु उलझ जाती हैं। अत: सबक यही निकलता है कि बेरोजगारी मुआवजा वास्तविक रोजगार का विकल्प नहीं है। आप चाहे उन्हें कितना भी धन दे दें, वे संतुष्ट नहीं होंगे। काम करने से व्यक्ति को जो संतुष्टि मिलती है, वह उन्हें कभी नहीं मिलेगी। अत: हमें अपने शास्त्रों से, अपनी संस्कृति से, अपनी सभ्यता से यह सब विचार धारण करने चाहिए, आकर्षक सांसारिक वस्तुओं की चकाचौंध से चुंधियाकर जीवन के सनातन पक्ष को नहीं भुलाना चाहिए।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

सी उदय भास्कर, रक्षा विशेषज्ञ

अब कभी कोई शहर हिरोशिमा या नागासाकी न बने

हर साल 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस मनाया जाता है। अमेरिका ने सन् 1945 में इसी दिन जापानी शहर हिरोशिमा को परमाणु बम से तबाह कर दिया था। इसके तीन दिन बाद उसने एक और परमाणु हमला नागासाकी पर भी किया था। इन हमलों के साथ दूसरे विश्व युद्ध का अंत हो गया। हालांकि, गुजरे 77 साल में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को रोकने में हमने सफलता पाई है और हर वर्ष इसके बारे में वादा भी करते रहे हैं, पर इस बार वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल व दूरदर्शी नेतृत्वों की गैर-मौजूदगी के कारण यह दिन गहरी चिंता लेकर आया है।

फरवरी में यूक्रेन पर किया गया रूसी हमला और मास्को ने जिस तरह से अमेरिका को चेतावनी देने के लिए अपनी परमाणु क्षमताओं की याद दिलाई, उसने शीत युद्ध के पहले चरण को मानो पुनर्जीवित कर दिया। 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट ने यह साफ कर दिया था कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का नतीजा कितना गंभीर हो सकता है। इसके बाद ही परमाणु क्लब का विस्तार पांच देशों (चीन, अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ, ब्रिटेन और फ्रांस) में हुआ। 1968 तक यह एक विशिष्ट क्लब बन गया। राजनीतिक एकजुटता का दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए दो महाशक्तियों- अमेरिका और सोवियत संघ ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) बनाई, जिसने दुनिया के दो हिस्से किए। एक हिस्सा था परमाणु हथियारों से संपन्न पांच देशों का, और दूसरा, शेष राष्ट्रों का, जिनको स्थायी रूप से परमाणु शक्ति से वंचित कर दिया गया।

संक्षेप में कहें, तो एनपीटी के माध्यम से पांचों परमाणु हथियार संपन्न ताकतों ने, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी हैं, खुद को वैश्विक परमाणु स्थिरता बनाए रखने के लिए जवाबदेह बना लिया। पर 2022 में परमाणु निषेध की यह शुचिता उन्होंने तार-तार कर दी। ताइवान को लेकर अमेरिका व चीन की हालिया तनातनी ने हालात और बिगाड़ दिए। कुल मिलाकर, वैश्विक परमाणु चुनौतियों के लिहाज से 2022 हताश करने वाला साल साबित हो रहा है।

इसी सूरतेहाल में एनपीटी के 10वें समीक्षा सम्मेलन की शुरुआत 1 अगस्त को न्यूयॉर्क में हुई है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने इसको संबोधित करते हुए एक मजबूत व मार्मिक दलील दी। उन्होंने कहा, 'बतौर प्रधानमंत्री हिरोशिमा से ताल्लुक होने के कारण मेरा मानना है कि हमें परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया बनाने की ओर हरसंभव कदम उठाना चाहिए, फिर चाहे यह राह कितनी भी कठिन क्यों न हो'।

एनपीटी की अब तक की यात्रा धूप-छांव समेटे हुए है। परमाणु अप्रसार को सुनिश्चित करने में यह संधि काफी हद तक जरूर सफल रही, लेकिन विशेषाधिकार प्राप्त पांचों ताकतों को परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने से नहीं रोक सकी। इस दरम्यान करीब-करीब तमाम मुल्कों ने इस पर सहमति दी है, पर कुछ राष्ट्रों ने अभी तक इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जबकि चार देशों ने अलग-अलग विशेषताओं की परमाणु हथियार क्षमता भी हासिल की है। इन चार देशों में भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरियो ने खुले तौर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जबकि इजरायल ने चुपचाप। परमाणु हथियारों से संपन्न देश पूर्ण निरस्त्रीकरण की ओर बढ़ने को अनिच्छुक हैं, बल्कि बीते पांच वर्षों में उन्होंने परमाणु हथियार विहिन देशों को उकसाया भी है, जिसके कारण परमाणु हथियार निषेध संधि (टीपीएनडब्ल्यू) का जन्म हुआ है। जनवरी, 2021 से प्रभावी इस संधि पर 86 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। टीपीएनडब्ल्यू परमाणु हथियारों को व्यापक रूप से प्रतिबंधित करने वाला कानूनी रूप से बाध्यकारी पहला अंतरराष्ट्रीय समझौता है। यह 1988 में संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा किए गए गंभीर प्रयास के समान है, जिसे राजीव गांधी कार्ययोजना के रूप में जाना जाता है। उम्मीद करनी चाहिए कि टीपीएनडब्ल्यू उस कार्ययोजना की गति न प्राप्त हो।

बेशक परमाणु हथियारों को आसानी से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन संपन्न राष्ट्रों को परमाणु हथियार निषेध की अवधारणा स्वीकार करनी चाहिए। पिछले दशकों में आई सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं की तमाम रिपोर्टें यही सिफारिश करती हैं कि परमाणु हथियारों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता दिखाई जाए। नागासाकी परमाणु हमले से तबाह आखिरी शहर होना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

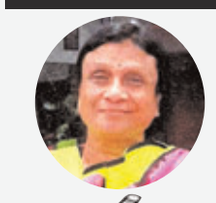

जय-जय का हुआ,
बोलबाल, आया मौसम
सावन-भादो का, धर्म
त्यौहार का मेला जुट
गये सभी, जी जान से
आत्मशुद्धि, दान का
भाव आया।

-अंजली जैन
7024460938

हरिशंकर व्यास

पैसा और भय हिन्दू का बेसिक डीएनए

मेरी पत्नी, मेरी बेटी ने पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर पर करोड़ों रुपए के लावारिस अंबार को देख आश्चर्य से पूछा- इतना पैसे, ऐसे लावारिस रखा जाता है! मैंने तब उदाहरण दे कर (जगजीवन राम के वक्त सुने किस्सों से लेकर मोदी-शाह के राज के किस्सों) समझाने की कोशिश की कि हम हिंदू लूटने के लिए ही हैं। नादिर शाह से लेकर अंग्रेज और पिछले 75 वर्षों में लूट, नजराने, शहर कोतवालों के डंडों के भय और भ्रष्टाचार में हिंदुओं के स्थायी तौर पर जकड़े रहने का कारण खुद हिंदू है। तब भला 50 करोड़ या हजार करोड़ रुपए तो मामूली बात हैं। भारत का हर सत्तावान कुर्सी पर बैठता ही लूटने के लिए है। आजाद भारत में पंडित नेहरू, शास्त्री, मोरारजी देसाई, चरण सिंह भले राजनीति के दलदल में, उसके चुनाव के तकाजे के बावजूद वैयक्तिक ईमानदारी, सादगी और शुचिता से जीवन जी गए अन्यथा सभी हिंदू नेता गुलामी की हजार साल की इस सत्ता और पैसे की भूख में जीये हैं।

इतिहास का यह सत्य मोदी राज में इसलिए एवरेस्ट की ऊंचाई लिए हुए है क्योंकि मोदी-शाह और संघ परिवार ने चुनाव और राजनीति दोनों को पैसे और भय की धुरी पर बांध दिया है। नरेंद्र मोदी की ज्योंहि एब्सोल्यूट सत्ता हुई तो संघ परिवार और भाजपा की पहली भूख क्या झलकी? हर जिले में भव्य बड़े दफ्तर हों। दिल्ली में भाजपा और संघ का दफ्तर भव्य बहुमंजिला-पांच सितारा होटल जैसा हो। ध्यान रहे अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के दशकों पुरानी सत्तारूढ़ पार्टी के दफ्तर वैसे नहीं होंगे, इतनी बड़ी तादाद में नहीं होंगे, जितने संघ परिवार ने पिछले आठ सालों में बनाए हैं। मैंने दिल्ली में आडवाणी-वाजपेयी के मूल अजमेरी गेट के दफ्तर और संघ के झंडेवालान के शुरुआती दफ्तर को देखा है। नानाजी ने एक डीआरआई बिल्डिंग क्या बनाई उससे खुद तब जनसंघ और संघ में बवाल हुआ था। कैसे इतना पैसा इकठ्ठा हुआ, कौन भ्रष्ट है, इसकी अंदरूनी निंदा में एक त्रासदी भी हुई। प्रो. राजेंद्र सिंह, भाऊराव, कुशाभाऊ, सुंदर सिंह भंडारी जैसे लोग कैसे एक सामान्य कमरे में रहते थे और अब मोहन भागवत तथा नरेंद्र मोदी के वक्त में राजनीति के हिंदू आइडिया पर सत्ता की जो लाली छाई है तो मेरी यह धारणा फिर है कि हजार साल के हिंदू गुलाम मनोविज्ञान के चेतन-अचेतन के कण-कण में यह लिप्सा पैठी हुई है कि जब भी हमारी सत्ता होगी, हम उसे भोगेंगे। और खूब धन-पैसा-संपत्ति बनाएंगे। फिर भले उसमें वैयक्तिक तौर पर अपने लिए पैसा बनाते हुए नहीं होना (इस नाते नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत सौ टका ईमानदार) लेकिन प्रजा के वोट खरीदने, अपने जलवे तथा सत्ता को स्थायी बनाने के लिए तो पूरे देश को भ्रष्टाचार का कुंआ बना देने का शासन होता जाता है।

इतिहास सत्य है कि गोरी, नादिर शाह, मुगलों और अंग्रेजों के सत्ता वैभव, उनकी अमीरी को देख कर हर हिंदू तड़पा था। सत्ता, पैसे की भूख व भय के डीएनए दिमाग में बनाते हुए था। विदेशियों की तलवार से, उनके कोतवालों से हिंदुओं के हजार साल भय और भयाकुलता में गुजरे हैं। इसलिए पहला लक्ष्यङ्क जैसे भी हो सत्ता पर बैठो। दूसरा लक्ष्य सत्ता को पक्का करने के लिए डंडा चलाओ, अपना भय बनाओ, पैसा इकट्ठा करो ताकि सत्ता बनी रही। तीसरा लक्ष्य- वैसा ही अपना वैभव, अपनी धमक बनाओ, अपना खजाना बनाओ जैसे इतिहास में पूर्ववर्ती शासक बनाते रहे। मुगलों ने लाल किला बनाया और अंग्रेजों ने राष्ट्रपति भवन और अपनी नई दिल्ली बनाई तो नरेंद्र मोदी और भाजपा-संघ परिवार की परम प्राप्ति तभी है जब उनकी विशाल इमारतें बनें, नई संसद बने, नया सेंट्रल विस्टा बने। नेहरू ने सरकारी कारखानों के मंदिर (जो अब कबाड़ दशा में हैं) बना कर अपने को इतिहास पुरूष बनाया तो दलित नेत्री मायावती ने भी लखनऊ की सत्ता से पत्थर स्मारक (जहां आज कोई झांकता नहीं) बना दलितों का उत्थान हुआ माना तो संघ परिवार में भी धुन इमारतों से अपने वैभव को दर्शाने की है।

सो, भारत का हर हिंदू सत्तावान नेता सत्ता पर बैठने के बाद डीएनए की इस लालासा में पैसा इकठ्ठा करता जाता है और सत्ता को पक्का बनाने के लिए कुबेर का खजाना बनाना व जनता को डराए रखता है वैसे ही जैसे मुसलमान- अंग्रेज शासक करते थे। फर्क इतना भर है कि तब भारत और जनता को लूटने वाले कम थे। तब तलवार, भय से सत्ता थी अब भय के साथ पैसे से वोट खरीदने, राजनीति होने का नया हिंदू खेला है। इसके पैमाने भी ऐसे हो गए हैं कि दाल-तेल बेचने वाले भी सत्ता की मेहरबानी से दुनिया के खरबपति बने हुए हैं। क्या मैं गलत हूं?

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल 9770584111 8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

एक फोन कॉल पर मिल रही है घर पहुंच सेवा

भिलाई निगम क्षेत्र में मितान योजना के तहत 421 हितग्राही हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत मितान योजना के तहत अब तक 421 प्रमाण पत्र हितग्राहियों को घर पहुंचाकर दिए जा चुके हैं। विभिन्न प्रकार की सेवाएं मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत आम नागरिकों को मिल रही है। कार्यालय के चक्कर काटने से मुक्ति भी मिल रही है, क्योंकि विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्राप्त करने के लिए केवल 14545 पर कॉल करना है इस टोल फ्री नंबर पर कॉल करते ही, आवश्यक प्रमाण पत्र बनकर घर में मिल जाता है।

आवश्यक दस्तावेज जमा करने भी ऑफिस आने की आवश्यकता नहीं है, इसे भी मितान घर पहुंचकर अपलोड करता है। मुख्यमंत्री मितान योजना का शुभारंभ 1 मई 2022 से हुआ है और घर पहुंच सेवा के माध्यम से नागरिकों को केंद्रीय सेवाएं प्रदान की जा रही है। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर

इस योजना पर भिलाई निगम में वृहद काम किया जा रहा है और लोगों को घर पहुंचाकर प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में 13 प्रकार की सेवाएं जिसमें से नगर निगम की 7 सेवाएं तथा राजस्व की 6 सेवाएं प्रदान की जा रही है, इस प्रकार कुल 13 सेवाएं जिसमें जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, विवाह प्रमाण पत्र में सुधार, दुकान एवं स्थापना पंजीयन/गुमास्ता लाइसेंस, मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति प्रमाण पत्र, पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, नकल भूमि दस्तावेज हेतु भूमि की जानकारी की सेवाएं इस योजना के तहत मिल रही है। भिलाई निगम क्षेत्र के आम नागरिक इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए टोल फ्री नंबर 14545 पर संपर्क कर सकते हैं। नागरिकों को सेवाओं का लाभ उठाने के लिए मितान को केवल 50 रुपए एवं अन्य विभागीय शुल्क का भुगतान करना होगा। मितान की सेवा 26 जनवरी, 15 अगस्त और 2 अक्टूबर को छोड़कर सप्ताह के सभी दिनों में सुबह 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने बताया कि नागरिक को आवेदन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक एस. एम. एस. अपडेट प्राप्त होगा। दीप्ति साहू ने बताया कि वेबसाइट के पोर्टल cgmitaan.in पर अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और ट्रैक कर सकते हैं, इस वेबसाइट से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री मितान योजना के निगम में लागू होने से अब अनावश्यक चक्कर काटने से लोगो को मुक्ति मिल गई है।

वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख मार्केट पावर हाउस के सब्जी, फल मार्केट एवं समीपस्थ अन्य बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने सायं काल किया। पूरे बाजार क्षेत्र का 3 घंटे तक कलेक्टर ने निरीक्षण कर मार्केट में सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दुकानदारों के द्वारा सामग्री विक्रय के लिए अतिरिक्त रूप से सड़क बाधा करते हुए विक्रय के लिए लगाए गए स्टॉल को हटवाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि बाजार में आने-जाने वाले खरीदारों को इससे अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं उन्होंने मार्केट के व्यवसायियों से भी बाजार को सुव्यवस्थित करने पर चर्चा की और सहयोग करने कहा। कलेक्टर ने निरीक्षण में देखा की शहर का प्रमुख मार्केट होने के कारण और नेशनल हाईवे से लगे होने के कारण तथा पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यवसायियो के वाहन बाजार क्षेत्र के भीतर एवं सड़कों के किनारे ही खड़ी हो रही है जिससे यातायात

प्रभावित होने तथा दुर्घटनाओं की संभावना हो सकती है, इसके बेहतर विकल्प के रूप में पावर हाउस में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे के रिक्त स्थान पर पावर हाउस मार्केट के व्यापारियों के लिए वाहनों की पार्किंग व्यवस्था करने के उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए। पावर हाउस मार्केट के सामने सड़कों के किनारे लगे हुए ठेले को उचित तरीके से व्यवस्थित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए। कलेक्टर श्री मीणा ने निरीक्षण के दौरान पाया कि एंप्लॉयमेंट भवन, सब्जी मंडी सुलभ शौचालय के समीप की लाइट बंद है जिसे उन्होंने तत्काल चालू करने के निर्देश मौके पर दिए, उन्होंने कहा कि ऐसे बंद लाइटों की निरंतरता पर जांच करते हुए लाइट को चालू कराएं। जवाहर मार्केट एवं सर्कुलर मार्केट का भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया और उन्होंने यहां पानी निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था देखी। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने महात्मा गांधी नगर बीएसपी पानी टंकी के चारों तरफ के पार्किंग को बड़ा करवाने के निर्देश दिए, ताकि सड़कों पर जाम की स्थिति न हो और बेहतर पार्किंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मार्केट क्षेत्र के सभी सुलभ शौचालय स्वच्छ होने चाहिए इसकी निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश उन्होंने दिए। कलेक्टर श्री मीणा ने कहा कि मुख्य सड़कों के अलावा अंदरूनी इलाकों, बाजार क्षेत्रों में भी रोका छेका अभियान के तहत आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही करें और बाजार क्षेत्र में सुबह और रात्रि में भी कचरे का उठाव हो।

खास खबर

एस.आर.हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर अहिवारा में कल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर चिखली दुर्ग द्वारा मंगल भवन अहिवारा में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 7 अगस्त को दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक मंगल भवन अहिवारा में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजित किया जाएगा। नगर पालिका परिषद अहिवारा के सहयोग से आयोजित इस नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरो की टीम अपनी सेवाएं प्रदान करेगे। जनरल मेडिसिन विभाग से डॉ सुशांत कांडे व डॉ पवन देशमुख, स्त्री व प्रसूति रोग विभाग से डॉ श्वेता रानी प्रसाद व डॉं बी.आर. साहू, शिशु रोग विभाग से डॉ एस पी केशरवानी व डॉ धनेश जैन, हड्डी रोग विभाग से डॉ अनुपम लाल व डॉ दीपक सिन्हा, नेत्र रोग विभाग से डॉ छाया भारती व डॉ जे.एस भाटिया तथा जनरल एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग से डॉ विश्वमित्र दयाल व अन्य डॉंक्टरो की टीम व नर्सिग स्टाफ व फार्मासिस्ट उपस्थित रहेंगे। एस. आर. हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय तिवारी ने बताया कि नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के माध्यम से विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। साथ ही उन्हें उपयोगी दवाएं नि:शुल्क प्रदान की जाएंगी। उन्होंने आस-पास क्षेत्र के गांव व नगर के वासियो से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाएं।

बच्चों में मोबाइल की लत छुड़ाने होगा विशेष अभियान

मनोवैज्ञानिक और मास्टर ट्रेनर मिलकर स्कूलों में करेंगे अभियान

बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती तेजकुंवर नेताम ने बताया, कहा क्राउलिंग से ही मोबाइल की लत लगने लगती है, पेरेंट्स को भी काउंसिलिंग में कहेंगे खुद भी बचें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऑनलाइन क्लासेज की वजह से अधिकांश बच्चों में मोबाइल की लत लग गई है। इससे उनकी फिजिकल एक्टिविटी कम हो रही है और मोबाइल से होने वाले दुष्प्रभाव का सामना उन्हें करना पड़ रहा है। ऐसे में बाल संरक्षण आयोग की पहल है कि मोबाइल की लत से बच्चों को बचाने एक विशेष कार्यक्रम स्कूलों में चलाया जाए। इसे मनोवैज्ञानिकों की मदद से तैयार किया गया है। इसमें फिजिकल एक्टिविटी पर ज्यादा जोर होगा।

यह बात बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती तेजकुंवर नेताम ने कही। उन्होंने कहा कि आजकल तो बच्चे क्राउलिंग करते हैं उसी समय से धीरे-धीरे मोबाइल के अभ्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में हमने मनोवैज्ञानिकों की राय लेकर ब्रोशर तैयार किया है और कार्यक्रम बनाया है। क्लस्टर

लेवल पर मास्टर ट्रेनर इस संबंध में शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे और स्कूलों में बच्चों को एक्टिविटी कराई जाएगी। इस दौरान कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में हर संभव कार्य जिले में किया जाएगा। अभी निर्देशित किया गया है कि दस दिनों के भीतर सभी आंगनबाड़ियों और स्कूलों की मरम्मत कर दी जाए। जिन आंगनबाड़ियों में पेरेंट्स बच्चों को अंडा खिलाने के इच्छुक हैं वहां पर अंडा और जहां इस संबंध में अनिच्छुक हैं वहां पर केला और दूध बच्चों को दिया जा रहा है। सैनिटाइजेशन को लेकर भी विशेष रूप से निर्देश दिये गये हैं। स्कूलों के टायलेट्स काफी खराब रहते हैं। इनकी मरम्मत और नियमित साफ-सफाई को लेकर निर्देश दिये गये हैं और इसे लगातार ट्रैक किया जा रहा है। इस दौरान आयोग के सदस्य सोनल गुप्ता, सचिव प्रतीक खरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन , सहायक संचालक बृजेन्द्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। आयोग के सचिव खरे ने विस्तार से एजेंडा पर चर्चा की। इसमें आरटीई से लेकर कोविड वैक्सीनेशन तक विस्तार से सभी मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में महिला एवं बाल विकास के अलावा पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, श्रम, आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

पाक्सो के मामलों की विशेष समीक्षा

बैठक में पाक्सो के मामलों की विशेष समीक्षा की गई। अध्यक्ष ने कहा कि हर थाने में बाल कल्याण अधिकारी हो और वो ये सुनिश्चित करें कि बच्चों और पेरेंट्स की बेहतर काउंसिलिंग हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को मानसिक संबल दिया जाना जरूरी है ताकि वो मजबूत रह सके। इसके लिए थानों में नियमित रूप से बच्चों के मनोविज्ञान के मुताबिक उनसे व्यवहार करने को लेकर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। सचिव खरे ने कहा कि थानों में इस संबंध में अधिकतर स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है ताकि हमेशा ही विवेचना के साथ बेहतर काउंसिलिंग की संभावना बनी रहे।

सेरेब्रल पाल्सी को लेकर बेस्ट प्रैक्टिस की प्रशंसा

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन ने बताया कि जिले में डीएमएफ के माध्यम से सेरेब्रल पाल्सी की समस्या वाले बच्चों के पोषण के लिए विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है तथा इसके लिए फिजियोथैरेपिस्ट की भी मदद ली जा रही है। ऐसे 53 बच्चों का चिन्हांकन किया गया है।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति, भिलाई की बैठक

हर- घर तिरंगा अभियान में समिति द्वारा बढ़- चढ़कर हिस्सा लेने पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति, भिलाई की आवश्यक बैठक आज सेक्टर 9 में आहुत की गई। जिसमें समिति के संरक्षक, प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर हर- घर तिरंगा अभियान में समिति द्वारा बढ़- चढ़कर हिस्सा लेने पर चर्चा की गई। बैठक में यह तय किया गया कि देश की आजादी के 75वें वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत समिति द्वारा बाईक रैली एवं प्रभात रैली निकाली जाएगी।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान हनुमान की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन कर की गई। तत्पश्चात समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष 15 अगस्त को देश, अपनी आजादी का 75वां आजादी महोत्सव मनाने जा रहा है। यह हम सभी भारतीयों के लिए गौरवांवित करने वाला क्षण है। श्री पाण्डेय ने कहा कि देश का राष्ट्रीय ध्वज, प्रत्येक भारतीय की आन- बान- शान है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मोत्सव समिति आजादी के 75वें महोत्सव में हर- घर तिरंगा कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेगी। उन्होंने कहा कि जब किसी बच्चे के हाथ में यह झंडा होगा तो उसमें देशप्रेम की अलख जागृत होगी।

समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर ने बताया कि हर- घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत समिति द्वारा 7 अगस्त को दीप उत्सव एवं पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। जो सुबह 6.30 बजे खुर्सीपार शिवालय से शुरू होगी। वहीं 8 अगस्त को शाम 4 बजे डीपीएस चौक से पदयात्रा शुरू होकर दशहरा मैदान में समाप्त होगी। इसी क्रम में 10 अगस्त को सुपेला अवंती बाई चौक से यात्रा शुरू होगी।

कांग्रेसियों को सिर मुंडाते ही ओले पड़े

दीपक रंजन दास

लगातार बढ़ती महंगाई और रसोई की चीजों पर भारी भरकम टैक्स का विरोध करने निकले कांग्रेसियों की जेब कट गई। इससे पहले मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देने के लिए भीड़ लगाने वालों की भी जेब कट चुकी है। दोनों हाथों में भारी भरकम गुलदस्ता लेकर गए लोगों को पता ही नहीं लगा कि कब उनकी जेब में किसी और की उंगलियों ने प्रवेश किया और बटुआ सरक गया। इसलिए जब राजधानी के अंबेडकर चौक पर जुटी भीड़ में शामिल नेताओं की जेब कटी तो लोगों ने मजा ही ज्यादा लिया। वैसे मंदी और कोरोना बंदी की मार तो सभी पर पड़ी है, सरकार इसे माने या न माने। देश के अर्थशास्त्री केवल आंकड़े बाजी करने में ही मस्त हैं। ईडीपी-जीडीपी सामान्य लोगों की हालत का सही चित्रण नहीं करते। जिन गरीबों के जीवन से दो साल की कमाई कोरोना काल में लापता हो गई है, उनकी हालत किसी भी योजना से रातों रात ठीक नहीं हो सकती। बावजूद इसके कोई भूख से नहीं मरा। कोई अपनी खाली हंड़िया-कड़ाही लेकर सड़कों पर नहीं उतरा। ऐसा संभव हुआ है तो केवल एक ही कारण से। हम भारतीय आदतन जुगाडू हैं। हम कुछ न कुछ जुगाड़ कर ही लेते हैं। हमें पता है कि कुछ लोगों के पास इतना माल है कि 10 साल का भी भारत बंद हो तो उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। करना बस इतना है कि उनके खीसे के चार पैसे अपने खीसे में लाने का जुगाड़ लगाना है।

विधानसभा चुनाव अभी दूर है इसलिए यदि नेताओं की अंटी काटनी हो तो फिलहाल धरना प्रदर्शन से ही काम चलाना पड़ेगा। कोई रोजी पर धरना प्रदर्शन में भागीदारी देगा तो कोई मुफ्त में आकर यहां से बटोर कर ले जाएगा। वैसे भी जहां कहीं भीड़ लगती है वहां जेब कतरे और उठाईगीर पहुंच ही जाते हैं। गंगा स्नान और कुंभ मेलों को ही देख लें तो तस्वीर साफहो जाएगी। पैसा-झोला यहां तक की चप्पलें तक गायब हो जाती हैं। पंडा कहता है कि यह शुभ संकेत है। पाप कट गया। कांग्रेसी भी ऐसा ही मान लें तो मन को सुकून मिलेगा। उन्माद चाहे किसी भी चीज का हो, व्यक्ति अपने हवास खो बैठता है। पता ही नहीं चलता कि कब कपड़े उतर जाते हैं। यहां तो केवल पर्स और मोबाइल ही गया है। वैसे इसका ठीकरा भी पुलिस पर ही फोड़ा जाना है। वही पुलिस जो ऐसी छोटी मोटी बातों का एफआईआर तक नहीं करती। आवेदन लेकर रख लेती है। पुलिस को ऐसा भी नेताओं ने ही बनाया है। जरूरी नहीं कि जेबों की सफाई किसी पेशेवर जेबकतरे ने की हो। 50 हजार की गड्डी दिखे तो 500 का नोट देखने के लिए तरस गया कोई भी ऐसा कर सकता है। यह भी हो सकता है कि कूदा-कादी में पर्स मोबाइल अपने आप गिर गए हों और साथ खड़ा आदमी फमिले ना दूंफ खेल रहा हो।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 592.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 592.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से पांच अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1479.1 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 260.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 361.8 मिमी, बलरामपुर में 275.1 मिमी, जशपुर में 340.1 मिमी, कोरिया में 375.1 मिमी, रायपुर में 390.9 मिमी, बलौदाबाजार में 555.8 मिमी, गरियाबंद में 651.9 मिमी, महासमुंद में 571.0 मिमी, धमतरी में 686.2 मिमी, बिलासपुर में 627.3 मिमी, मुंगेली में 628.9 मिमी, रायगढ़ में 541.8 मिमी, जांजगीर-चांपा में 690.5 मिमी, कोरबा में 455.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 559.5 मिमी, दुर्ग में 530.7 मिमी, कबीरधाम में 563.0 मिमी, राजनांदगांव में 613.6 मिमी, बालोद में 702.5 मिमी, बेमेतरा में 390.2 मिमी, बस्तर में 804.1 मिमी, कोण्डागांव में 684.4 मिमी, कांकेर में 799.1 मिमी, नारायणपुर में 653.4 मिमी, दंतेवाड़ा में 836.0 मिमी और सुकमा में 557.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

स्कूलों और शिक्षण संस्थाओं में मनाया जाएगा स्वतंत्रता सप्ताह

रायपुर। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 11 से 17 अगस्त तक सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान सभी स्कूलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। कोविड संक्रमण से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मंत्रालय से संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान सभी स्कूलों और अन्य शिक्षण संस्थानों द्वारा 'हर घर झण्डा' कार्यक्रम के बारे में जन-जागरूकता फैलाने के साथ परिवारों को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही लोगों को झण्डे खरीदने और उपहार देने के बारे में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रस्तुतियों के माध्यम से बताया जाएगा। जारी निर्देश में विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों सहित सभी छात्र, शिक्षक और शाला के स्टॉफ को अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने भी कहा गया है।

छत्तीसगढ़ में 36वें राष्ट्रीय खेल की तैयारियां प्रारंभ

रायपुर। 36वां राष्ट्रीय खेल गुजरात में होने जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से विभिन्न खेलों में खिलाड़ी भाग लेंगे। राष्ट्रीय खेल का आयोजन आगामी सितंबर माह में होगा। राज्य के खिलाड़ी नेशनल गेम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके और अधिक से अधिक पदक जीत सकें, इसके लिए खेल संचालनालय ने तैयारियां प्रारंभ कर दी है। 36वां राष्ट्रीय खेल के लिए क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ियों की अधिकृत जानकारी खेल संचालनालय द्वारा खेल संघों से मंगाई गई है, जिसके आधार पर खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन कराया जायेगा। राज्य की खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सहायता एवं प्रोत्साहन दिया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने समन्वित प्रयास जरूरीः अमिताभ जैन

सड़क सुरक्षा के संबंध में विभागों की उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में सड़क सुरक्षा के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकथाम सहित यातायात को बेहतर बनाने प्रयास पर बल दिया गया। लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने और इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव जैन ने विभिन्न सड़कों पर ज्यादा दुर्घटना वाले ब्लैक स्पाटों पर जन सहयोग से सी.सी.टी. व्ही. कैमरा लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों पर पशुओ के विचरण को रोकने के लिए समुचित प्रयास करने कहा है। इसमें स्थानीय लोगो का सहयोग लिया जाएगा। बैठक में सड़क सुरक्षा के तहत दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों द्वारा समुचित प्रयास किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने सड़क दुर्घटना पर नियंत्रण के लिए ओव्हर लोडिंग, अत्याधिक गति तथा नशे की हालात और बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस तथा परिवहन विभाग को दिए हैं। वाहनों की सघन जांच और तेज गति को नियंत्रित करने के लिए स्पीड गवर्नर लगाने की दिशा में कार्रवाई करने निर्देशित किया गया। मुख्य सचिव ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वर्चुअल कोर्ट के प्रकरण के निराकरण की भी समीक्षा की।

मुख्य सचिव जैन ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित यातायात के लिए वाहन चालकों के प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने ब्लैक स्पॉट के चिन्हांकन पश्चात् उनमें तत्परता से सुधार की कार्रवाई के लिए भी निर्देश दिए। इसी तरह बैठक में दुर्घटना के शिकार लोगों के त्वरित उपचार हेतु व्यवस्था, राज्य में ट्रांमा सेंटर की स्थिति, पाठ्यपुस्तकों में यातायात शिक्षा सामग्री का समावेश और यातायात के नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई तथा यातायात नियमों के पालन आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा उन्होंने बैठक में राज्य के सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने तथा ग्रामीण सड़कों के मुख्य मार्ग में शामिल होने वाले जक्शन से अतिक्रमण हटाने सहित मार्गों में संकेतक और चेतावनी संबंधी बोर्ड को लगाए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए माईक्रो लेवल पर डेटा रखकर उसका विश्लेषण करने और जरूरी कार्यवाही करने पर जोर दिया। इसके लिए होने वाली दुर्घटनाओं का समयबद्ध जानकारी रखकर सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए समुचित कार्यवाही करने कहा गया है। परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने वाहनों की ओव्हर लोडिंग रोकने, वाहनों का फिटनेस, स्ट्रीट गवर्नर लगाने एवं स्कूल बसों एवं टैक्सी वाहनों पर पैनिक बटन लगाई जा रही है। सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए निर्भया फंड के उपयोग किया जाएगा।

बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए जन सहयोग के लिए जागरूकता के कार्यक्रम चलाने अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा एवं संयुक्त परिवहन आयुक्त संजय शर्मा ने बताया कि राज्य में ओव्हर लोड वाहनों पर कार्यवाही के तहत वर्ष 2019 में 15 करोड़ 96 लाख, वर्ष 2020 में 43 करोड़ 43 लाख और वर्ष 2021 में 01 अरब 7 करोड़ रूपए के समझौता शुल्क की वसूली की गई। बैठक में बताया गया कि राज्य में वर्ष 2021 में 12 हजार 375 सड़क दुर्घटनाओं में 5371 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा 10 हजार 683 व्यक्ति घायल हुए। वर्ष 2022 के प्रथम छह माह में 6981 सड़क दुर्घटनाओं में 3053 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा 6441 व्यक्ति घायल हुए हैं। दुर्घटना मृत्यु में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित विभागों को सड़क दुर्घटना की रोकथाम के लिए विशेष जोर दिया गया और वाहन चालकों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इस वर्ष जनवरी से जून तक कुल एक लाख 87 हजार 155 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही कर 6 करोड़ 88 लाख 75 हजार 750 रूपए वसूल किए गए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डीडी सिंह, स्वास्थ्य विभाग की सचिव शहला निगार, सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित लोक निर्माण विभाग और नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, नेशनल हाईवे आदि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जैविक खेती पर जन जागरूकता अभियान

साठ के दशक के बाद से कृषि में रसायनों का बेहिसाब उपयोगः डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय जैविक खेती नेटवर्क कार्यक्रम परियोजना और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''जैविक खेती पर जन जागरूकता अभियान'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उदगार व्यक्त करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि वर्तमान में जैविक खेती बहुत महत्वपूर्ण है, क्योकि साठ के दशक के बाद से कृषि में रसायनों का बेहिसाब उपयोग किया जा रहा है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति कम हुई है तथा कृषि उत्पादों की गुणवत्ता में कमी आई है एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता कम हुई है इसलिए यदि भूमि की उर्वरा शक्ति बनाये रखना है और गुणवत्तायुक्त भाजन सामग्री की उपलब्धता बढ़ाना है तो जैविक खेती को अपनाना होगा। कार्यक्रम में दुर्ग, महासमुंद एवं रायपुर जिले के प्रगतिशील जैविक कृषक, गौठान समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. एम.सी. भाम्भ्री ने कहा कि भारत में आदि काल से जैविक खेती होती आ रही है, जिससे मृदा संरक्षण और जल संरक्षण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य बना रहता था। छत्तीसगढ़ शासन की गोधन न्याय योजना की चर्चा करते हुए उन्होंने इसे जैविक खेती के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अभियान में प्राध्यापक डॉ. जयालक्ष्मी गांगुली ने कीट प्रबंधन और जैविक खेती, विभागाध्यक्ष डॉ. तापस चौधरी ने जैविक खेती जैव उर्वरकों की भूमिका, राहुल तिवारी ने छत्तीसगढ़ में जैविक प्रमाणीकरण और वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार ने जैविक खेती के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक विस्तार डॉ. पी.के. चन्द्राकर, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. के.एल. नंदेहा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. (मेजर) जी.के. श्रीवास्तव, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 25 लाख से ज्यादा लोगों का निःशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 25 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा गरीबों की बस्तियों में पहुंचकर किया है। योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। योजना के तहत अब तक पांच लाख 15 हजार 574 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 20 लाख 92 हजार 266 से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गई हैं। योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में दो लाख 41 हजार 865 श्रमिक भी हैं।

प्रायः देखा गया है कि गरीब लोग कई कारणों से अस्पताल तक नही पहुंच पाते, जिससे उनका इलाज नहीं हो पाता। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गरीबों की इस पीड़ा को समझा। गरीबों का इलाज करने उनके घर पर ही डॉक्टर पहुंचे ऐसी परिकल्पना उन्होंने की। शहरों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन घूम-घूम कर स्लम बस्तियों में निवासरत गरीबों का इलाज कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 35 हजार 801 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध करायें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंची। स्वास्थ्य सुविधा को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई।

सियान जतन क्लिनिकों में बुजुर्गों का निःशुल्क उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आयुष संचालनालय (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी) की सभी आयुष संस्थाओ में हर महीने के पहले गुरूवार को सियान जतन क्लीनिक का आयोजन किया जाता है। इन क्लीनिकों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की निःशुल्क जाँच एवं उपचार किया जाता है। चालू अगस्त माह के पहले गुरूवार 4 अगस्त को प्रदेश भर के सियान जतन विशेष ओपीडी में कुल 9296 बुजुर्गों का निःशुल्क इलाज किया गया।

आयुष विभाग के सहायक संचालक डॉ. विजय साहू ने जानकारी दी कि डाइरेक्टर आयुष पी. दयानंद के निर्देशन व मार्गदर्शन में राज्य के सभी जिलों के शासकीय आयुर्वेद, होम्योपैथी औषधालय, यूनानी औषधालय, जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, आयुष पॉलीक्लीनिक, आयुष विंग, स्पेशलाइज्ड थैरेपी सेंटर, स्पेशियलिटी क्लीनिक तथा सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में संचालित सह-स्थापित आयुष केन्द्रों और आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए विशेष ओपीडी का संचालन किया गया। इस दौरान वृद्धावस्था से संबंधित विकारों व व्याधियों के साथ ही विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक रोगों का आयुष के माध्यम से उपचार प्रदान किया जाता है। इन विशेष ओपीडी में बुजुर्गों को सभी तरह की चिकित्सा जांच और इलाज निःशुल्क प्रदान किया जाता है। साथ ही मरीज़ों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिए काउंसलिंग भी की जाती है। डॉ. साहू ने बताया कि सियान जतन क्लिनिक में इलाज के लिए आए बुजुर्गों का विस्तृत विवरण भी रखा जा रहा है। ताकि भविष्य में जरूरत पड़ने पर इन मरीजों का फॉलो-अप भी किया जा सके। नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर रहे और उन्हें किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए कई स्तर पर काम हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में व्यावसायिक वाहन मालिकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर

एकमुश्त निपटान योजना से वाहन मालिकों को मिलेगी बड़ी राहत और सरकारी राजस्व में होगी बढ़ोतरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में व्यावसायिक वाहन मालिकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। जिन व्यावसायिक वाहन संचालकों ने परिवहन विभाग में टैक्स अदा नहीं किया है, उनके लिए राज्य सरकार वन टाइम सेटलमेंट स्कीम ला रही है।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश में परिवहन व्यावसायियों के हित में 'एकमुश्त निपटान योजना' का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत त्रैमासिक तथा मासिक कर देय वाहनों में, 01 अप्रैल 2013 से 31 दिसम्बर 2018 की अवधि तक अधिरोपित लंबित शास्ति की राशि में पूर्णतः छूट का लाभ दिया जा रहा है। वाहनों पर लंबित कर एवं अधिरोपित ब्याज देय होगी।

राज्य में लगभग 50 लाख वाहनों का हो रहा संचालन

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में विभाग की सेवाओं का लाभ आमजन तक सुविधाजनक ढंग से पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। इस तारतम्य में राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़

मोटरयान कराधान अधिनियम के प्रावधान के तहत कर, शास्ति एवं ब्याज की वसूली योग्य राशि में ''एक मुश्त निपटान'' की व्यवस्था के अंतर्गत छूट का प्रावधान किया गया है। इस आशय की अधिसूचना का प्रकाशन मंत्रालय महानदी भवन स्थित परिवहन विभाग द्वारा 2 अगस्त को छत्तीसगढ़ राजपत्र में कर दिया गया है। वन टाइम सेटलमेंट स्कीम से शासन को करीब 200 करोड़ रुपये का फायदा होगा। प्रदेश के कई व्यावसायिक वाहन संचालक सालों से टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं। परिवहन विभाग ने कई बार इन्हें नोटिस जारी किया, फिर भी उनके द्वारा जमा नहीं किया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कैबिनेट की बैठक में एकमुश्त निपटान योजना की स्वीकृति मिल गई है। इसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। इस संबंध में आयुक्त परिवहन दीपांशु काबरा ने बताया कि जारी अधिसूचना के अंतर्गत त्रैमासिक तथा मासिक कर देय वाहनों में अधिरोपित लंबित शास्ति में छूट केवल 'एकमुश्त निपटान योजना' की अवधि 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक होगी। एकमुश्त निपटान योजना की अवधि की समाप्ति के पश्चात् कर, शास्ति एवं ब्याज सहित पूर्ण राशि वसूल की जाएगी।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House Bhilai 9826181183

भारत आएंगी अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन

देश के स्वतंत्रता दिवस समारोहों में लेंगी हिस्सा

देश इस साल अपनी आजादी का 75वां साल मना रहा है। ऐसे में इस स्वतंत्रता दिवस का जश्न काफी धूमधाम से मनाया जाएगा। इसा खास मौके पर अफ्रीकी अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के समारोहों में शिरकत करेंगी। 'ओम जय जगदीश हरे' और 'जन गण मन' के गायन के लिए मशहूर मिलबेन ने एक बयान में कहा, मिलबेन ने एक बयान में कहा, डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए मैं भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के जश्न के लिए सांस्कृतिक राजदूत के रूप में संयुक्त राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं।

मिलबेन पहली ऐसी अमेरिकी कलाकार हैं, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आईसीसीआर द्वारा भारत में आमंत्रित किया गया है। इस बारे में जारी एक बयान में कहा गया है कि वह अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाली आधिकारिक अतिथि होंगी। इस खास मौके पर मिलबेन ने कहा कि, मैं इस संपन्न मातृभूमि, दुनिया भर में भारत और भारतीय समुदायों के साथ अपने सार्थक संबंधों का जश्न मनाने और भारत की स्वतंत्रता के इस महत्वपूर्ण मौके पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक गठबंधन को उजागर करने के लिए रोमांचित हूं।

मिलबेन ने आगे कहा कि, जब मैं अपनी पहली भारत यात्रा की तैयारी कर रही हूं, तो मेरे मन में डॉ मार्टिन किंग लूथर के शब्द गूंज रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'दूसरे देशों में, मैं एक पर्यटक के रूप में जा सकता हूं, लेकिन भारत में, मैं एक तीर्थयात्री के रूप में आता हूं। भारत में अपनी यात्रा के दौरान मिलबेन पहली बार एनएफ्टी ग्लोबल कंपनी Abris.io की को- फाउंडर/सीईओ और यूएस-भारत संबंधों पर रणनीतिक सलाहकार प्रिया सामंत के साथ परफॉर्म करेंगी। इसके साथ ही यह देश की स्वतंत्रता और इंडियास्पोरा के 10वें साल के मौके पर इंडियास्पोरा ग्लोबल फोरम में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

मिलबेन भारत में पहली बार तब लाइमलाइट में आई जब उन्होंने 74वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वर्चुअली भारत का राष्ट्रगान गाया था। इसके बाद उन्होंने साल 2020 में दीवाली के दौरान 'ओम जय जगदीश हरे' गाते हुए अपना एक सिंगल वीडियो जारी किया था। देश की स्वतंत्रता समारोह में शिरकत करने के लिए भारत आ रही मिलबेन दिल्ली के अलावा, अपनी भारत यात्रा के दौरान लखनऊ की यात्रा करने की भी योजना बना रही हैं।

एक गायक की मंजिल सिर्फ फिल्मों में गाना ही नहीं हैः आदित्य नारायण

मशहूर गायक उदित नारायण के बेटे आदित्य की घुट्टी में संगीत में मिला है। 35 साल के हो गए आदित्य नारायण 30 साल से गाने गा रहे हैं। टेलीविजन शो 'इंडियन आयडल' के 13वें सीजन के वह फिर से होस्ट बने हैं। हाल ही में रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' में अपने गाने को वह एक बड़ी उपलब्धि मानते हैं। वह कहते भी हैं, 'हम सब बचपन से यशराज फिल्म्स का सिनेमा देखकर बड़े हुए हैं। यशराज फिल्म्स की किसी पिक्चर के लिए गाना मेरा भी सपना था। फिल्म 'शमशेरा' के साथ वह पूरा हो गया।' आदित्य नारायण का मानना है कि समय के साथ साथ हिंदी फिल्मों का संगीत भी बदल रहा है। बस लोगों के पास अब गाने सुनने का समय नहीं है। वह इस बात पर भी जोर देकर कहते हैं कि मनोरंजन जगत में आने वाले गायकों के पास मौजूदा दौर में काम की कमी नहीं है और फिल्मों में गाकर मिलने वाले पैसे से कहीं ज्यादा रकम आज के गायक स्टेज शोज से कमा रहे हैं।

नए जमाने के नए संगीत को लेकर आपका क्या मानना है?

मेरा यही कहना है कि नए दौर में फिल्मों के गानों के अलावा भी बहुत सारे गायक और संगीतकार अपने गाने निकाल रहे है। अभी दुनिया बहुत बड़ी हो गई है। इंडस्ट्री भी बहुत बड़ी हो गई है। अभी वो समय गया जब उदित नारायण, कुमार सानू और अलका याग्निक जैसे गायक ही गीत गाते थे। अब माहौल पूरी तरह से बदल गया है अब अलग अलग तरह की ऑडियंस हो गयी है। हर ऑडियंस की अपनी अपनी पसंद है। आज जितने बड़े जुबिन नौटियाल हैं, उतने ही बड़े दूसरे गायक जैसे फैजल, सलमान अली और प्रतीक कुहाड़ भी हैं। लेकिन पहले के गानों की जो शेल्फ लाइफ होती है, वह अब नहीं दिखती।

आपके पिता के गाने अब भी लोग गुनगुनाते हैं, 20 साल बाद लोगों को आपका कौन सा गाना याद रह जाएगा?

मैं जो भी काम करता हूं, पूरी ईमानदारी से करता हूं। मैं उन म्यूजिशियन में से नहीं हूं जो बहुत सारे गाने गाते हैं। बहुत सारा काम करते हैं। मैं सिर्फ गिने चुने ही काम करता हूं, जो भी गाता हूं उस पर बहुत ही मेरा फोकस होता है। अभी 35 साल की उम्र में यह बोलना बहुत मुश्किल है कि कौन सा गाना याद किया जाएगा। मुझे लगता है कि मेरा बेहतर काम अभी आना बाकी है। मेरे पिताजी ने 34 साल की उम्र में पहला हिट गाना 'कयामत से कयामत तक' के लिए गाया था। मैं अपने आपको बहुत खुशनसीब समझता हूं कि इतनी उम्र में इतना सारा काम मैंने कर लिया है।

फिर भी कोई तो गाना होगा जो दिल के बहुत करीब हो?

मेरी पहली फिल्म बतौर लीड एक्टर 'शापित' थी। उस फिल्म का गीत 'तेरे बिना' मुझे बहुत ही स्पेशल लगता है। उस फिल्म की मेरी जो कोस्टार श्वेता अग्रवाल अब मेरी बीवी हैं। हमारी एक प्यारी सी बेटी है। मेरी जिंदगी में श्वेता की बहुत अहमियत है। और, उस फिल्म के गीत की भी। इसके अलावा 'रामलीला' फिल्म में मैंने रणवीर सिंह के लिए 'ततड़ ततड़' गया था। यह गाना मेरे करियर में मील का पत्थर साबित हुआ। 'शमशेरा' का गीत 'जी हुजूर' भी मेरे लिए बहुत खास है।

और, अपने पिताजी के पसंदीदा गानों के बारे में क्या कहेंगे?

मेरा पापा एक इंस्टीट्यट हैं। मैं उनका सबसे बड़ा फैन भी हूं। वह अपने दौर के इकलौते गायक हैं जो अब भी गा ही रहे हैं। उनकी फिल्म 'क़यामत से कयामत तक' के सारे गाने मुझे बेहद पसंद है। पापा ने ए आर रहमान के साथ बहुत अच्छा काम किया है। फिल्म 'दिल से' का गीत 'ऐ अजनबी', फिल्म 'लगान' के सारे गाने बेमिसाल हैं। इनके अलावा 'कुछ कुछ होता है', 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'वीर जारा' जैसी तमाम फिल्मों के गीत मेरे बहुत ही फेवरेट गीत हैं।

फिल्मी गाने अब लोगों को याद नहीं रह पाते, इसके लिए क्या वजह मानते हैं ?

हिंदी सिनेमा का संगीत लगातार बदलता रहता है। 90 के दशक के गानों के साथ हमारी परवरिश हुई है लेकिन मेरा मानना है कि आज उससे भी अच्छा म्यूजिक बन रहा है। बस ये है कि आज के दौर में लोगों के पास समय नहीं है। ये म्यूजिक इंडस्ट्री का दोष नहीं है। मैं खुद ही कितनी भी कोशिश कर लूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा समय अपनी सेहत के लिए, अपने परिवार के लिए समय निकालूं लेकिन नहीं निकल पाता है। आप पूरी दुनिया के सिस्टम से नहीं लड़ सकते है। पहले घर पर एक टीवी हुआ करता था। एक ही सीडी प्लेयर हुआ करता था। बार बार आप उन्हीं गानों को पूरा पूरा दिन सुनते रहते थे तो वह दिमाग में बैठ जाता था।

इन दिनों म्यूजिक रियलिटी शोज खूब बनते हैं, हिट भी होते हैं, इनसे निकलने वाले गायकों के बारे में क्या कहेंगे?

पहले ऐसा कहा जाता था कि म्यूजिक रियलिटी शोज से अच्छे सिंगर नहीं निकल रहे हैं, लेकिन ये 10 साल पुरानी बातें हैं। आज की बात अलग है। पवनदीप राजन और अरुणिता कांजीलाल का तो हर हफ्ते कोई न कोई गाना आ रहा है। दोनों पूरी दुनिया में शोज कर करके थक गए है। अब सिर्फ फिल्मों में गाना ही एक गायक का करियर नहीं है। सलमान अली और पवनदीप राजन जैसे गायकों को स्टेज शो में जितना पैसा मिल रहा है, उतना बड़े बड़े पार्श्वगायकों को नहीं मिल रहा। अगर ये आज इतना काम कर रहे हैं तो सोचिए पांच-दस साल बाद ये कहां होंगे।

मतलब कि म्यूजिक रियलिटी शोज से तकदीर बदलती है?

हां, क्यों नहीं। नेहा कक्कड़ रियल्टी शो से आई हैं। जुबिन नौटियाल, अरिजीत सिंह, अरमान मालिक, श्रेया घोषाल सब तो रियलिटी शो से ही आए हैं। लेकिन, लोग बोलते रहते हैं कि रियलिटी शो से आए गायक का कुछ नहीं होता। अब निहाल को देखिए, उसने अक्षय कुमार की फिल्म 'रक्षा बन्धन' में हिमेश रेशमिया के लिए तीन गाने गए है। मैं 35 साल का हो गया। अभी तक मैंने अक्षय कुमार या हिमेश रेशमिया के लिए नहीं गाया है। सलमान अली को देख लीजिए, वह सलमान खान के लिए 'दबंग 3' में गा चुका है।

और, आपके और आपके पिता उदित नारायण के बीच की ट्यूनिंग कैसी रहती है?

हम दोनों ही एक दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं। अब पिता-पुत्र के बीच दोस्ती का रिश्ता ही सबसे कामयाब रिश्ता होता है। मैं अपने पैरों पर खड़ा हो चुका हूं। वह अपने में मगन हैं। हम अपनी जिंदगी अच्छे से जी रहे हैं। हां, एक बात उन्होंने जरूर कही थी कि मेरी शादी का सारा खर्च वही उठाएंगे। और, ये उन्होंने किया। उनका प्यार, उनका आशीर्वाद ही हमें यहां तक लेकर आया है। पूरी दुनिया उनकी इज्जत करती है। अब भी वह काम कर रहे हैं। आगे भी वह सेहतमंद रहें और यूं ही अपने गीतों से लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाते रहें, यही ईश्वर से प्रार्थना है।

कन्नड़ पॉवर स्टार को मिलेगा कर्नाटक रत्न अवॉर्ड

पुनीत राजकुमार को राज्य सरकार मरणोपरांत करेगी सम्मानित

पहली बार 1992 में पिता राजकुमार को मिला था

कर्नाटक सरकार दिवंगत कन्नड़ एक्टर पॉवर स्टार पुनीत राजकुमार को मरणोपरांत कर्नाटक रत्न अवॉर्ड से सम्मानित करेगी। इसकी घोषणा शुक्रवार को सीएम बसवराज बोम्मई ने की। पुनीत को यह सम्मान 1 नवंबर यानी कन्नड़ राज्योत्सव के समारोह में दिया जाएगा।

पुनीत राज्य के सर्वोच्च अवार्ड से सम्मानित होने वाले 10वें व्यक्ति हैं। इससे पहले समाज सेवा के लिए डॉक्टर वीरेंद्र हेगड़े को 13 साल पहले यानी 2009 में दिया गया था। इस सम्मान ने साल 1992 में उनके पिता डॉक्टर राजकुमार भी सम्मानित हो चुके हैं, उनके साथ कवि कुवेम्पु को भी सम्मानित किया गया था। राजकुमार कर्नाटक रत्न अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले लोगों में पहले लोगों में शामिल हैं।

परोपकार के भी पावरस्टार थे पुनीत

अपने 46 साल के छोटे से जीवनकाल में पुनीत परोपकार के भी पावर स्टार थे। वे धर्मों के खिलाफ कुछ नहीं सुन पाते थे। कोरोना महामारी के दौरान भी पुनीत ने सीआम रिलीफ फंड में 50 लाख रुपए डोनेट किए थे। पुनीत ने 45 स्कूल, 26 अनाथालय, 16 वृद्धाश्रम, 19 गोशाला और 1800 अनाथ लड़कियों की हायर एजुकेशन की जिम्मेदारी उठाई थी।

दिल का दौरा पढ़ने से हुआ था निधन

पिछले साल 29 अक्टूबर को दिल का दौरा पड़ने के बाद पुनीत राजकुमार का निधन हो गया था। उनके परिवार में पत्नी अश्विनी रेवंत और धृति और वंदिता दो बेटियां हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'जेम्स' इस साल 17 मार्च को रिलीज हुई थी, जिसे बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग मिली थी।

पुनीत के पिता राजकुमार साउथ के आइकन रहे हैं। पुनीत ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड एक्टर के तौर पर की थी। उन्हें फिल्म बेट्टद हूवु के लिए बेस्ट चाइल्ड एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला था। फिल्म 'अप्पू' से बतौर लीड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें आकाश (2005), आरसु (2007), मिलन (2007) और वंशी (2008) जैसी फिल्मों में दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है, जो अभी तक उनकी सबसे बड़ी कॉमर्शियल हिट हैं। साउथ में उनकी फिल्मों की दीवानगी इस कदर होती थी कि एक बार उनकी 14 फिल्में लगातार कम से कम 100 दिनों तक सिनेमाघरों में बनी रही थीं।

भाजपा नेताओं के लिए संसद में हुई 'रॉकेट्री' की स्क्रीनिंग

आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' को दर्शकों का बेहद प्यार मिला। इस फिल्म में माधवन ने इसरो साइंटिस्ट नंबी नारायण की कहानी को दिखाया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने शानदार कमाई की और कई कलाकारों ने भी फिल्म के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। लेकिन अब इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग संसद में रखी गई, जहां पर बीजेपी के नेताओं ने एक साथ मिलकर इस फिल्म को देखा। इस मौके पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने फिल्म की जमकर तारीफ की।

फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद जेपी नड्डा द्वारा आर माधवन और इसरो साइंटिस्ट नंबी नारायण को सम्मानित किया गया। वहीं, फिल्म देखने के बाद अनुराग ठाकुर ने इस फिल्म की जमकर तारीफकी। उन्होंने इस फिल्म को 'गॉडफादर' जैसा बताया। उन्होंने कहा कि गॉडफादर वह फिल्म थी जिसे 9.2 रेटिंग मिली थी और अब रॉकेट्री ने भी यही उपलब्धि हासिल की है। फिल्म रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित है, जिसका लेखन, निर्माण और निर्देशन सब कुछ आर माधवन ने किया था।

रिलीज हुआ 'लाइगर' का नया गाना 'आफत' दिखी अनन्या-विजय देवरकोंडा की केमिस्ट्री

आखिरकार विजय देवरकोंडा की फिल्म 'लाइगर' का गाना 'आफत' रिलीज हो गया है। इस म्यूजिक वीडियो में विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की हॉट केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। मेकर्स ने गाने में अनन्या को 'खूबसूरत ड्रामा क्वीन' के रूप में पेश किया, जो फिल्म में विजय देवरकोंडा की प्रेमिका का किरदार निभा रही हैं। बता दें कि यह तेलुगू-हिंदी भाषी साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म से विजय देवरकोंडा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं।

इस वजह से 5 अगस्त को नहीं रिलीज हुआ गाना

फिल्म लाइगर का गाना 'आफत' तनिष्क बागची और जहरा खान द्वारा गाया गया एक रोमांटिक ट्रैक है। बता दें कि लाइगर के मेकर्स पहले 'आफत' नामक गाने को शुक्रवार की शाम चार बजे रिलीज करने वाले थे। लेकिन अज्ञात कारणों की वजह से रिलीज से चंद मिनट पहले मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदल दी। जी हां, फिल्म के निदर्शेक पुरी जगन्नाथ ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर जानकारी दी कि तकनीकी खराबी की वजह से 'आफत' गाने को 5 अगस्त को रिलीज न करके 6 अगस्त को सुबह 9 बजे रिलीज किया जाएगा।

रिलीज होने वाले हैं तीन और गाने

फिल्म 'लाइगर' को सेंसर अधिकारियों द्वारा 'यूए' प्रमाणपत्र मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 20 मिनट का है, जिसमें का फर्स्ट हाफ 1 घंटा 15 मिनट और सेकेंड हाफ1 घंटा 5 मिनट का है। प्रोडक्शन हाउस के सूत्रों ने बताया कि फिल्म में सात फाइट सीन और छह गाने हैं। यानी अभी फिल्म के तीन गाने और रिलीज होंगे।

सामने आया फिल्म का पहला रिव्यू!

सूत्रों का कहना है कि फिल्म देखने के बाद सेंसर बोर्ड के सदस्यों ने महसूस किया कि सेंसर शॉर्ट रनटाइम, एक्शन पार्ट, हीरो कैरेक्टराइजेशन, डायलॉग डिलीवरी, राम्या कृष्णन का किरदार, मां की भावना और विजय देवरकोंडा अनन्या पांडे के प्रेम ट्रैक ने फिल्म में बड़ा काम किया है। अनन्या पांडे और राम्या कृष्णन अभिनीत 'लाइगर' 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। जिले में अध्ययनरत 9 वीं से 12 वीं तक एवं उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, इंजीनियरिंग शिक्षा में नियमित अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों को केन्द्रीय छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। जिसके लिए पोर्टल https//scholarships.gov.in पर आनलाईन आवेदन कर सकते है। कक्षा 9 वीं एवं 10 वीं में नियमित अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु आनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2022 एवं कक्षा 11 वीं, 12 वीं तथा उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, इंजीनियरिंग शिक्षा में नियमित अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु आनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 तक निर्धारित की गई है। विस्तृत जानकारी हेतु जिले के समाज कल्याण विभाग, जिला शिक्षा विभाग, नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा से संपर्क कर सकते है।

जिले में औषधि निरीक्षक कर रहे फर्मों का निरीक्षण

दुर्ग। जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन में पदस्थ औषधि निरीक्षकों के द्वारा फर्मों का सतत् रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। जुलाई माह 2022 में कुल 75 फर्मों का निरीक्षण औषधि निरीक्षकों द्वारा किया गया। जिसमें 06 फर्मों से कुल 17 नमूने (मेडिसेलिक, लूलीमेक कीम, थ्रॉम्बोफेब, रोलनेक्स डीएसआर कैप्स्यूल, हेल्थकॉल टेबलेट, सोफ्राज़ कीम, फेरोनेम सिरप, ओफ्लोमैक-एम फेर्ट, डीनमैक्स-250, नॉरजी टीझेड, इंगसेट (सेटेरिजिन)) औषधि व प्रसाधन सामग्री के जांच हेतु नमूने संकलित किये गए हैं, जिसे जांच हेतु भेजा गया है। निरीक्षण में 03 फर्मों को विभाग द्वारा निलंबित किया गया है।

कलेक्टर ने की आकांक्षी जिला संकेतक के आधार जिले के विकास की समीक्षा

जगदलपुर। कलेक्टर चंदन कुमार ने गुरुवार को देर शाम जिला कार्यालय के आस्था कक्ष में आयोजित बैठक में आकांक्षी जिला संकेतक के आधार पर जिले के विकास की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि आकांक्षी जिलों में लोक कल्याणकारी योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन से विकास की गति बढ़ाने की बढ़ाने के लिए संकेतक निर्धारित किए गए हैं। इन संकेतकों के आधार पर जिलों में हो रहे विकास की सतत समीक्षा मुख्य सचिव के साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर पर की जा रही है।

मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने बाल देखरेख संस्थाओं का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया अपने एक दिवसीय कबीरधाम प्रवास के दौरान किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत संचालित शासकीय बालगृह बालक एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती भेंड़िया के साथ छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्रीमती पूजा खनुजा विशेष रूप से उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती भेंड़िया निरीक्षण के दौरान विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कवर्धा में निवासरत बच्चों के स्वास्थ्य पोषण एवं सुरक्षा का जायजा लिया। विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कवर्धा के प्रबंधक सत्यमित्र शास्त्री ने संस्था के गतिविधियों एवं उपलब्धिओं की जानकारी देते हुए बाताया की यह संस्था विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत पंजीकृत है तथा यह संस्था 2015 से स्नेह संर्वोदय सेवा संस्था राजनांदगांव द्वारा संचालित किया जा रहा है। संस्था में 0 से 6 वर्ष के बच्चों का स्वास्थ्य पोषण एवं सुरक्षा का पालन किया जाता है तथा दत्तक ग्रहण विनियम 2017 के प्रावधानों के तहत दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण किया जाता है। विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कवर्धा से कुल 40 बच्चों की दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण किया गया जो यहां से बच्चें देश-विदेश में निवासरत है। यहां 40 भावी दत्तक अभिभावकों ने पंजीयन कराया है जिनमें से 09 अभिभावकों को बच्चे प्राप्त हो चुके है। इस तरह संस्था द्वारा कुल 51 बच्चों को संरक्षण देकर स्वास्थ्य पोषण एवं सुरक्षा का लाभ दिया गया है। संस्था की व्यवस्था एवं सुरक्षा देखकर महिला बाल विकास विभाग एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमति भेंड़िया एवं छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य श्रीमती खनुजा द्वारा संस्था की प्रशंसा करते हुए संस्था में निवासरत बच्चों एवं कर्मचारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तत्पश्चात् किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत संचालित शासकीय बालगृह बालक कवर्धा का निरीक्षण किया गया।

मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने निरीक्षण के दौरान शासकीय बाल गृह निवासरत बच्चों के स्वास्थ्य पोषण संरक्षण एवं सुरक्षा का जायजा लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आनंद तिवारी ने शासकीय बाल गृह के गतिविधियों उद्देश्य प्रावधानों एवं उपलब्धिओं की जानकारी देते हुए बाताया कि यह संस्था किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत पंजीकृत है। इसमें देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले 06 से 18 वर्ष के बच्चों को संरक्षण दिया जाता है इन बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं सुरक्षा दिया जा रहा है।

वर्तमान में कुल 21 बच्चें निवासरत हैं सभी बच्चें स्कूलों में अध्ययनरत है। विषय में चर्चा कह जिसमें जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने स्थानीय स्तर पर शिक्षक की व्यवस्था एवं विभिन्न खेल सामाग्री के माध्यम से खेल मैदान की उपलब्धता की जानकारी से अवगत कराया इसी क्रम में बाल कल्याण अधिकारी ने बताया कि बच्चें सुबह-शाम पढ़ाई के साथ-साथ शारिरिक अभ्यास भी करते है।

एक ही समय में एक से अधिक कार्य करके जशपुर की महिलाएं बन रहीं हैं आत्मनिर्भर

सी-मार्ट से सामग्रियों की मांग रायपुर, भिलाई, दुर्ग, सुकमा, अंबिकापुर जिलों में भी बड़ी मात्रा में की जाती है

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कलेक्टर श्री रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जशपुर जिले में जिला प्रशासन के अंतर्गत संचालित सी-मार्ट के माध्यम से गौठान के स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों का विक्रय कराने के लिए सी-मार्ट एक उपयुक्त साधन है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भर बन गई है। अब तक समूह की महिलाओं ने 4 माह में लगभग 34 लाख रूपए की बिक्री कर चुके हैं। ग्रामीण महिलाएं गौठानों में संचालित ग्रामीण आजीविका गतिविधियों से आर्थिक रूप सशक्त होने का नया जरिया मिला है। समूह के माध्यम से एक ही समय में एक से अधिक कार्य करके आर्थिक मजबूती प्राप्त करने का जरिया जिला प्रशासन ने दिया है।

एनआरएलएम के डिस्ट्री मैनेजर श्री विजय शरण प्रसाद से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खुड़िया रानी फार्मर प्रोडयूसर कम्पनी के अध्यक्ष श्रीमती कमला विश्वकर्मा और जीवंती बाई के द्वारा बेहतर संचालन किया जा रहा है। कम्पनी में लगभग 100 स्व सहायता समूह की महिलाएं मिल करके अपने बनाए हुए सामग्रियों का विक्रय के लिए सी-मार्ट भेज रही हैं। सी-मार्ट में स्थानीय लोगों में जीरापूल, जौवा फूल, फूल झाड़ू, अचार, सरसों का तेल, काजू, दाल आदि उत्पादों की मांग हमेशा बनी रहती है। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने जिला प्रशासन और कलेक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाएं आज आर्थिक रूप से खुद आत्मनिर्भर बन कर अपने परिवार को भी सहयोग दे रही हैं साथ ही अन्य महिलाओं को भी अपनी सहभागिता निभाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

जिला प्रशासन ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को फूड प्रोसेसिंग यूनिट की भी सुविधा उपलब्ध कराई है। इससे महिलाओं को रोजगार मिला है और अपने हाथों से 100 ग्राम, 200 ग्राम, आधा किलोग्राम, 1 किलोग्राम के विभिन्न सामग्रियों का पैकिंग करके तैयार करती है।

विगत माह जून में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का जशपुर प्रवास के दौरान सी-मार्ट का अवलोकन किया गया और समूह की महिलाओं प्रोत्साहित करते हुए प्रशंसा जाहिर की थी।

एनआरएलएम के डिस्ट्री मैनेजर ने जानकारी देते हुए बताया कि आदिम जाति विभाग के द्वारा जिले के विभिन्न आश्रम-छात्रावासों में बच्चों के लिए 8 हजार नग चप्पल लागत् 9 लाख रूपए से खरीदी कर भेजा है। 444 पंचायतों में एलईडी बल्ब 1 लाख 20 हजार की लागत से उपलब्ध कराया गया है। 1 हजार स्वच्छता किट विभिन्न विद्यालयों में उपलब्ध कराया गया है। हर घर झण्डा अभियान के तहत 5 लाख का झण्डा विक्रय किया गया है। इसके अलावा इमली चटनी, ईमली तेल, अगरबत्ती, धनिया पाउडर, चावल, दाल, चाय पत्ती, महुआ लड्डू, फूल झाड़ू, सेनेटाइजर, काजू, सरसों का तेल, फेसवास, हैण्ड वास का भी विक्रय करके महिलाएं अच्छी आमदनी प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जशपुर के सी-मार्ट से सामग्रियों की मांग रायपुर, भिलाई, दुर्ग, सुकमा, अंबिकापुर जिलों में भी बड़ी मात्रा में की जाती है। अन्य जिलों में मुख्य रूप से काजू, चाय, जीरापूल, जौफूल की मांग बनी हुई है। जशपुर जिले के काजू और चाय की मांग का मुख्य कारण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है। सी-मार्ट में कार्य करने वाली स्व-सहायता समूह की महिलाओं को एनआरएलएम के डीपीएम अमीन खान, भरत पटेल और सी-मार्ट के मैनेजर अनिल कुमार निराला भी समय-समय पर सहयोग देते रहते हैं।

बच्चों को समुचित पोषण आहार मिले, यह हम सबका दायित्व - महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने आज कहा कि सभी बच्चों को समुचित रूप से पोषण आहार मिले, उन्हें उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मिले ताकि उनका पूरा-पूरा मानसिक व शारीरिक विकास हों, यह हम सभी का दायित्व हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार सुपोषण अभियान का संचालन कर प्रदेश के नवनिहालों व माताओं को सम्पूर्ण पोषण आहार उपलब्ध करा रही है, परिणाम स्वरूप प्रदेश में कुपोषण की स्थिति समाप्त हो रही है।

उक्त बातें आज महापौर प्रसाद ने पम्प हाउस बस्ती में आयोजित वजन त्यौहार के अवसर पर कही। छत्तीसगढ़ सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा 01 अगस्त से 13 अगस्त 2022 तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है, प्रदेश में 06 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में पोषण आहार के आकलन हेतु समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए वजन त्यौहार का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है, जिसमें 0 से 06 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का वजन के अनुसार ऊंचाई एवं उम्र के अनुसार ऊंचाई का माप लिया जाता है। निगम के वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस बस्ती में आज वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने उक्त आयोजन में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। इस अवसर पर सभापति श्यामसुंदर सोनी, जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्रप्रताप जायसवाल, एम.आई.सी.सदस्य संतोष राठौर, एल्डरमेन रामगोपाल यादव आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर महापौर प्रसाद, सभापति सोनी ने हरी झण्डी दिखाकर वजन त्यौहार रथ को रवाना किया। इस मौके पर महापौर प्रसाद ने आगे कहा कि वजन त्यौहार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य कुपोषण के प्रति समुदाय को जागरूक करना, कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की सही स्थिति का पता लगाना, कुपोषण कम करने की कार्ययोजना तैयार कर लाभांन्वित किया जाना है। उन्होने कहा कि इसमें सभी का सहयोग जरूरी है ताकि सफ्लतापूर्वक यह अभियान संचालित हों, हम सभी का दायित्व है कि 0 से 06 वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन व ऊंचाई ली जाए, कोई भी बच्चा इससे छुटने न पाएं, बच्चों को सम्पूर्ण पोषण एवं उत्तम स्वास्थ्य मिले, यह हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने एक विपत्तिग्रस्त परिवार को 4 लाख रूपए का चेक वितरण किया

विधायक होने के नाते उन घर परिवारों के अभिभावक के रूप में हर परिस्थितियों में उनका साथ देने सदैव तत्पर रहेंगे-मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कैबिनेट मंत्री अकबर ने पवित्र श्रावण मास में भोरमदेव मंदिर पहुंच कर विधिवत पूजा-अर्चना की

छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर आज शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातत्विक व जनआस्था के केन्द्र बाबा भोरमदेव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश के समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होने शिव जी का विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए जलाभिषेक किया और महाआरती में शामिल भी हुए। उन्होने बताया कि कबीरधाम का भोरमदेव मंदिर एक जनआस्था का विशाल केन्द्र है। यहां सदियों से पवित्र सावन माह में पदयात्रा और कावंडियों द्वारा मां नर्मदा सहित अन्य पवित्र स्थलों से जल लाने की परम्परा है।

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने कबीरधाम प्रवास के दौरान ग्राम घटमुड़ा दुर्जनपुर में 1 विपत्तिग्रस्त परिवार को 4 लाख रूपए चेक वितरण किया। वन मंत्री ने चेक वितरण करते हुए विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों से कहा कि वह इस चेक को बैंक में जमा कर राशि प्राप्त कर सकते है। चेक वितरण करते समय मंत्री श्री अकबर ने परिजनों से भेंट भी की और अपनी संवेदना प्रकट की।

कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने शोक संतप्त परिवार से भेंट-मुलाकात करते हुए कहा कि किसी भी परिवार के लिए हर सदस्य का एक महत्वपूर्ण योगदान रहता है। परिवार का चाहे वह छोटा या बड़ा या घर का मुखिया हो अकास्मात रूप से परिवार को छोड़कर चले जाना उस परिवार के लिए एक अपूर्णिय क्षति होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार की अपूर्णिय क्षति को पूर्ति तो नहीं कर पाएंगे, लेकिन इस क्षेत्र के विधायक होने के नाते उन घर परिवारों के अभिभावक के रूप में हर परिस्थितियों में उनका साथ देने सदैव तत्पर रहेंगे। मंत्री श्री अकबर द्वारा आबीसी-6-4 के तहत बोड़ला तहसील के ग्राम घटमुड़ा दुर्जनपुर निवासी धनीराम बैगा की तालाब में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो जाने पर विपत्तिग्रस्त हिरमोतिन को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आबीसी-6-4) के तहत 4 लाख रूपए का चेक प्रदान किया।

घर-घर झंडा उपलब्ध कराने महिलाओ ने लगाया स्टॉल, महापौर, आयुक्त ने पहले ग्राहक बनकर खरीदा झंडा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नवगठित नगर पालिक निगम क्षेत्र में घर-घर झंडा उपलब्ध कराने महिला संगठनों ने स्टॉल लगाना शुरू कर दिया। शिवाजी चैक रिसाली स्थित स्टॉल का महापौर शशि सिन्हा ने न केवल स्टॉल का उद्घाटन किया बल्कि प्रथम नागरिक की हैसियत से घर पर ध्वज फहराने महिला समूह से तिरंगा खरीदा। इस दौरान आयुक्त आशीष देवांगन भी ग्राहक बने।

रिसाली निगम क्षेत्र की राष्ट्रीय क्षेत्रीय एरिया लेबल फेडरेशन की महिलाओं ने 11 से 17 अगस्त तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए झंडा उपलब्ध कराने स्टॉल लगाना शुरू कर दिया है। निगम क्षेत्र का पहला स्टॉल का उद्घाटन महापौर शशि सिन्हा ने झंडा खरीदकर किया। इस अवसर पर निगम आयुक्त के अलावा, सहायक अभियंता आर.के.जैन. उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, अखिलेश गुप्ता, नितिश अमन साहू समेत उमयंती ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने झंडा खरीदा। नगर पालिक निगम के आयुक्त ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि प्रत्येक परिवार अपने-अपने घरों में 11 से 17 अगस्त तक राष्ट्रीय ध्वज अवश्य लगाए। इस बात का विशेष ध्यान रखे कि ध्वज लगाते समय तिरंगा झंडा झूके न। पूरे राष्ट्र में निर्धारित तिथि को प्रत्येक घरों में अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

नागरिकों की सुविधा के लिए निगम क्षेत्र में राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराने ए.एल.एफ व स्वसहायता समूह की महिलाएं स्टॉल लगा रही है। शनिवार से महिलाएं धन्वंतरी दवा बिक्री केन्द्र दशहरा मैदान के सामने और डुंडेरा में राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराने स्टॉल लगाया जाएगा।

खास-खबर

होटल में चल रहा था जुआ, चार लाख नकदी के साथ 10 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। आजाद चौक पुलिस ने 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चार लाख रुपये नकदी रकम जब्त की गई है। आरोपितों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। होटल राधे इन में जुआ चल रहा था। पुलिस ने छापा मारकर आशीष अग्रवाल, देव कुमार, योगेश अग्रवाल, प्रेमचंद, अशोक तिवारी, नरेश मलंग, संतोष शुक्ला, मनीष मित्तल, राजीव मलंग और विजय गुरका को पकड़ा है।

कचना तालाब में मिला सिविल इंजीनियर का शव

रायपुर (ए)। कचना तालाब में 52 वर्षीय सिविल इंजीनियर का शव तैरता हुआ मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई कर पीएम के लिए भेज दिया है। हालांकि अब तक यह पता नहीं चला है कि यह आत्महत्या है या फिर हत्या। मृतक की पहचान नरेश साहू (52) वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू के रूप में हुई है। नरेश साहू सिविल इंजीनियर थे। मकान बनाने का ठेका व्यक्तिगत रूप से लेते थे। तालाब के पास से एक्टिवा गाड़ी, डायरी, टेप, एक मोबाइल मिला है। पुलिस को अब तक किसी भी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। खम्हारडीह पुलिस आस-पास के थानों में गुम इंसान के बारे में पता लगा रही है।

घर के सामने युवती का मोबाइल लूटकर भाग निकले युवक

रायपुर (ए)। डीडी नगर में एक युवती अपने ही घर के सामने लूट की शिकार हो गई। दोपहिया सवार अज्ञात युवक उसका मोबाइल लूटकर भाग निकले। जब तक युवती शोर मचाती तब तक लुटेरे आंखों से ओझल हो चुके थे। रोहणीपुरम निवासी मिताली साहू की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मिताली ने पुलिस को बताया कि बुधवार की शाम वह अपने घर के बाहर टहलने के लिए निकली थी। इसी दौरान पीछे से दोपहिया पर सवार तीन युवक आए। पहले उन्होंने बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन मिताली ने जब कोई जवाब नहीं दिया तो उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकले।

वाहन से गिरकर श्रमिक की मौत केस दर्ज

कोरबा। साढ़े 3 साल पहले वाहन से गिरकर एक श्रमिक की मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज किया है। बालकोनगर के नेहरूनगर में रहते हुए मूलत: जांजगीर-चांपा के मुलमुला थाना क्षेत्र का धीरेंद्र कुमार शांडिल्य (29) श्रमिक था, जो करीब साढ़े 3 साल पहले 22 नवंबर 2018 की रात बल्कर वाहन के ऊपर चढ़कर ढक्कन खोलते समय नीचे गिर गया था। इससे सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई थी। मामले में जांच के आधार पर शुक्रवार को केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में गवाहों से पूछताछ की जा रही है ताकि स्थिति सुधरे।

ब्लैकमेलिंग के मामले में 8 माह बाद फरार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए)। ब्लैकमेलिंग के मामले में 8 माह से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जगह और अपनी पहचान बदलकर छिपा हुआ था। सिटी कोतवाली में आरोपी दीपनंदा उर्फ गुल्ली (28) निवासी नगोईखार दर्री के खिलाफ करीब 8 माह पहले 3 दिसंबर को ब्लैकमेलिंग केस दर्ज हुआ था। फोकटपारा निवासी महिला सीमा कोयल ने रिपोर्ट लिखाई थी। इसके मुताबिक उसके बेटे पंकज से दीपनंदा की दोस्ती थी। सितंबर 2021 में दो दिन के काम के बहाने उसकी केटीएम बाइक मांगकर ले गया। इसके बाद उसने बाइक वापस नहीं की। पंकज के बाइक मांगने पर उसने पैसे देने की मांग की। पैसे नहीं देने पर बाइक वापस देने से मना करते हुए धमकी देने लगा था। तब परेशान होकर रिपोर्ट की गई। केस दर्ज होने के साथ ही आरोपी दीपनंदा फरार हो गया था, जो लगातार ठिकाना और अपनी पहचान बदलकर रहते हुए पुलिस को गुमराह करने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने पतासाजी करते हुए मुखबिर के जरिए सूचना जुटाकर शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से उक्त केटीएम बाइक को भी जब्त कर लिया।

गबन के पैसे से भाई की शादी करवा दी: बैंक में जमा करने के 33 लाख को खुद रख लिया

जांजगीर (ए)। जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने गबन के आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसने करीब 33 लाख रुपए का गबन किया था। जो पैसे बैंक में जमा कराने थे उसे इसने खुद रख लिया और उस पैसों से भाई की शादी करवा दी। गांव में पोल्ट्री फॉर्म बना डाला। इसके अलावा वो हैदराबाद जाकर भी घूम आया। मामला नैला चौकी क्षेत्र का है। दरअसल जिले में पिछले साल सीएमएस कंपनी को सरकारी शराब दुकानों से पैसा लेकर बैंकों में जमा करने का ठेका दिया गया था। इसी कंपनी में कस्टोडियन के रूप में रंजीत कुमार साहू (33 साल) काम करता था। बताया गया कि उसने दुकानों से वसूले गए पैसों को बैंक में जमा ही नहीं किया था। करीब 32 लाख 81 हजार 600 उसने एक अन्य साथी के साथ मिलकर गायब कर दिए थे। जिसकी शिकायत कंपनी के ही कर्मचारी ने पिछले साल सितंबर में पुलिस से की थी। शिकायत के बाद से ही पुलिस रंजीत कुमार साहू की तलाश कर रही थी। मगर उसका कुछ पता

नहीं चल रहा था। इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपी वापस अपने घर बोड़सरा आया हुआ है तो पुलिस ने मौके पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की।

एक करोड़ देखकर बिगड़ी नीयत

पूछताछ में उसने बताया कि मैंने बोड़सरा, अर्जुनी, कोटमीसोनार, नरियरा, खिसोरा, बलौदा में स्थित शासकीय शराब दुकानों से कुल एक करोड़ 3 लाख रुपए कलेक्शन किया था। मगर लॉकडाउन की वजह से मैं उन पैसों को जमा नहीं करा पाया था। कुछ समय तक वो पैसे मेरे पास में ही थे। यहीं से मेरी नीयत बिगड़ी थी। इसके बाद मैंने और एक साथी ने मिलकर इसमें से करीब 33 लाख रुपए ले लिए और आपस में बांट लिया था। बाद मे बचे हुए पैसों को हमने बैंक में जमा कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दूसरा आरोपी अब पकड़ा गया है। आरोपी ने बताया कि मैंने इन पैसों से गांव में पोल्ट्री फॉर्म खोल दिया था। भाई की शादी करवा दी। हैदराबाद में जाकर छिपा था। वहां भी पैसे खर्च कर दिए हैं।

गांव के मकानों में चोरी करने वाले शातिर चढ़े पुलिस के हत्थे, सूने घरों को बनाते निशाना

राजनांदगाव। राजनांदगांव जिले में पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी करने वाले चोर गैंग को गिरफ्तार किया है। शातिर चोर गांवों के ऐसे घरों को निशाना बनते जहां काई नहीं होता था। इसके लिए पहले रेकी करते और उसके बाद मौका मिलते ही वहां चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पुलिस ने इस मामले में खरीदार सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 तोला सोना जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही थी। इसे देखते हुए एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने विशेष दिशा निर्देश जारी किए। पुलिस को सफलता भी मिली। राजनांदगांव पुलिस ने इस मामले में दो खरीदार व 3 चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों के पास से पुलिस ने 10 तोला सोना, ढाई किलो चांदी तीन बाइक और 5 मोबाइल फोन जब्त किया है। सभी आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

ऐसे देते थे घटना को अंजाम

राजनांदगांव एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि चोरों की तरीका बेहद खास था। ग्रामीण क्षेत्र होने से इन दिनों बुआई का काम चल रहा है और यहां चोर इसी का फायदा उठाते हैं। पहले तो ऐसे घरों की रेकी करते उसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम देते। चोरों को पकड़ने के लिए अलग अलग टीमों को लगया गया तब जाकर सफलता मिली।

राजनांदगांव के एसपी प्रफुल ठाकुर ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार चोरी होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीम बनाकर चोरों के पीछे लगाया गया। हर वारदात होने से कुछ दिन पहले वहां एक स्कूटी दिखती थी। उसी का पता लगाकर पुलिस आरोपियों तक पहुँचने में कामयाब हो सकी। आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पकड़ाए आरोपियों ने अलग-अलग 9 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था।

बिलासपुर में पेट्रोल डालकर मकान में लगाई आग, सामान और दरवाजे जले

बिलासपुर (ए)। तिफरा के यदुनंदननगर में रहने वाली महिला ने अपने मकान में आग लगाने की शिकायत की है। आगजनी की इस घटना से मकान का गेट और प्लाई जल गया। आगजनी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला ने इसकी शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

तिफरा के यदुनंदननगर गौर कालोनी में रहने वाली रेखा सिंह गृहणी हैं। उनके पति ट्रांसपोर्टर हैं। गुरूवार की रात वे अपने पति अनिल सिंह और बच्चों के साथ सो रही थीं। सुबह छह बजे जब वे जागी तो उनके मकान के सामने के तीन गेट जल गए थे। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमेरे का तार, प्लाई और अन्य सामान भी आग की चपेट में आ गए थे। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद सीसीटीवी का फुटेज चेक किया। इसमें तीन लोग दो डिब्बों में पेट्रोल डालकर आग लगाते हुए दिख रहे हैं। महिला ने इसकी शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि कुछ दिनों पहले एक कोयला व्यवसायी और उसके साथियों ने उनके पति को धमकी दी थी। इसके साथ ही उनकी कार में तोड़फोड़ भी की गई थी।

बेटी के सामने पिता को मारा चाकू: मोहल्ले के लड़के ने रास्ते में रोककर किया हमला, पुराने विवाद के चलते वारदात, गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई पावर हाउस में बीती देर रात एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी तेजा के खिलाफ धारा 307 के तहत अपराध दर्ज किया है।

घायल दिवाकर राव (36 वर्ष) ने बताया कि वह प्रगति नगर में रहता है। वह कैंप 1 जलेबी चौक में पान दुकान चलाता है। रोज की तरह उसने गुरुवार रात 10 बजे दुकान बंद की थी। उसकी बड़ी बेटी चंद्रा मौर्या चौक के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। इसलिए वह अपनी बेटी खिलेश्वरी को स्कूटर में बिठाकर सीधे वहीं गया। बेटी को देखकर वह जैसे हॉस्पिटल से बाहर आया वहां मोहल्ले का लड़का तेजा मिल गया। उसने पुरानी रंजिश को लेकर दिवाकर से हाथापाई कर उसका मोबाइल तोड़ दिया। नाराज होकर दिवाकर इसकी शिकायत करने रात 11.30 बजे छावनी थाने पहुंचा। वहां पुलिस वालों ने सुपेला थाने का मामला बताकर उसे सुपेला जाने के लिए कहा। दिवाकर अपनी बेटी को स्कूटर में बैठाकर सुपेला थाने शिकायत करने जा रहा था।

रात 12 बजे के करीब वह जैसे ही बसंत टॉकीज के सामने पहुंचा तेजा उसकी गाड़ी के सामने खड़ा हो गया। जैसे ही गाड़ी रोकी तेजा दिवाकर राव से गाली गलौज करने लगा। दिवाकर ने उसे गाली देने से मना किया तो तेजा अपने पास रखे चाकू को निकाला और दिवाकर के ऊपर कई प्राणघातक वार किए। इसमें दिवाकर की पीठ, पेट, दाहिनी जांघ और बाएं हाथ की कलाई में चोट आई है।

पिता को घायल देख खिलेश्वरी वहां से भागी और सीधे अपने घर पहुंची। इसके बाद उनसे घटना की जानकारी घरवालों को दी। घर वाले तुरंत घटना स्थल पहुंचे, जहां दिवाकर घायल पड़ा हुआ था। इसके बाद परिजनों ने दिवाकर को उठाया और छावनी थाने पहुंचे। पुलिस ने तुरंत दिवाकर को इलाज के लिए सुपेला अस्पताल भेजा गया। इसके बाद उसे दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां से दिवाकर डिस्चार्ज कर दिया गया है।

छावनी पुलिस सुपेला नहीं भेजती तो नहीं होता हमला

दिवाकर राव का कहना है कि जब वह मारपीट व मोबाइल तोड़ने की शिकायत करने दर्ज कराने छावनी थाने पहुंचा तो पुलिस दो थाने की सीमा बताने लगी। इसके बाद उसकी शिकायत न सुनकर सीधे सुपेला थाने भेज दिया। यदि छावनी पुलिस उसकी शिकायत सुन लेती और आरोपी को पकड़ बाद में मामले को सुपेला पुलिस के हवाले करती तो ये घटना नहीं घटती। दिवाकर का कहना है कि सुपेला थाने जाते समय रास्ते में उसके ऊपर प्राणघातक हमला आरोपी ने किया। इसमें उसकी जान भी जा सकती थी।

आरोपी को गिरफ्तार करने कई जगह की छापेमारी

परिजनों ने पुलिस को बताया तेजा का दिवाकर से घरेलू मामले पर पुराना विवाद है। तेजा आदतन अपराधी किस्म का है। उससे खिलाफ छावनी थाने 7-8 मामले दर्ज हैं। तेजा इससे पहले दिवाकर के ऊपर कई बार हमला कर चुका है। छावनी टीआई ने बिना देर किए एक टीम को भेजा। टीम ने कई जगह छापेमारी की, लेकिन तेजा भाग गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

मेरी बहन को घुमाता है कहकर मारा ब्लेड

रास्ते में रोककर लड़के ने साथियों के साथ मिलकर युवक को पीटा भी

कोरबा (ए)। कोरबा में युवक पर एक लड़के ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। बदमाश ने उस पर चाकू से वार किए और साथियों के साथ मिलकर खूब पीटा भी है। उसका कहना था कि तू मेरी बहन को बाइक से घुमाता है। मैं आज तुझे छोड़ूंगा नहीं। मामला माणिकपुर चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मुड़ापार क्षेत्र का रहने वाला विशाल गुरुवार शाम को बाजार के लिए निकला था। इसके बाद वह बाजार करके लौट रहा था। उसी दौरान कुछ लोगों ने उसे बीच रास्ते में रोक लिया। उसमें से एक लड़के ने उसे कहा कि तू मेरी बहर को बाइक में घुमाता है। चल मैं आज तुझे बताता हूं और फिर उसने युवक पर ब्लेड से हमला किया। इसके बाद अपने साथियों के साथ मिलकर उसे खूब पीटा भी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। जिसके बाद पीड़ित विशाल ने पुलिस से भी मामले की शिकायत की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। पीड़ित युवक का कहना है कि मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया जा रहे हैं। मैं किसी लड़की को बाइक में नहीं घुमाता हूं। पीड़ित ने ये भी आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन आरोपियों को थाने भी बुलाया था। मगर बिना कार्रवाई के ही उसे उन्हें छोड़ दिया गया है। आरोपियों में कुछ नाबालिग भी शामिल हैं।

पावर प्लांट में 50 फीट ऊपर मिली कर्मचारी की लाश

जांजगीर। जांजगीर-चांपा जिले में एक पावर प्लांट के अंदर कर्मचारी का शव 50 फीट की ऊंचाई में मिला है। वह 3 अगस्त से लापता था। उसका पता नहीं चलने पर परिजनों ने गुरुवार को गेट के बाहर धरना भी दिया था। अब उसका शव आखिरकार प्लांट के अंदर ही फंदे पर लटका मिला है। मामला डभरा थाना क्षेत्र का है। डभरा के उचपिंडा में आरकेएम पावर प्लांट है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

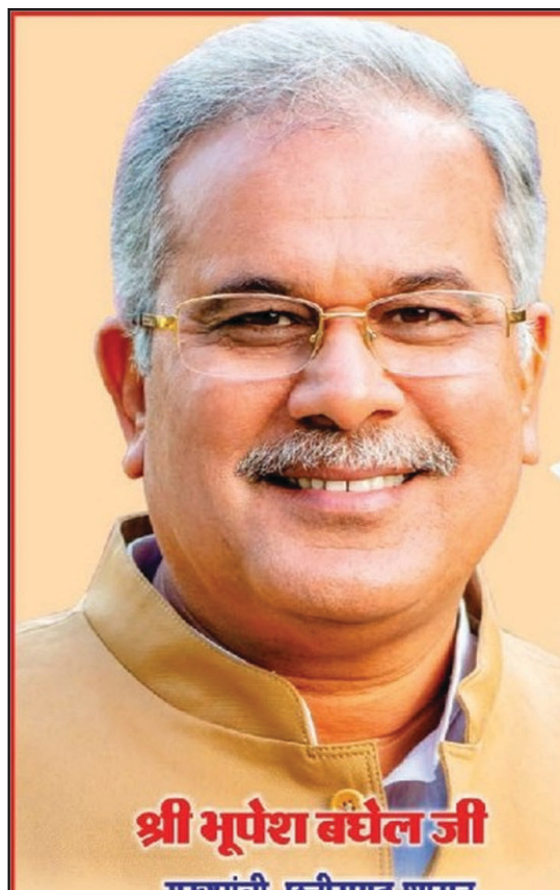

श्री भूपेश बघेल जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

श्रीमती सोनिया गांधी जी
अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

श्री राहुल गांधी जी
सांसद, लोकसभा

डॉ. मनमोहन सिंह जी
पूर्व प्रधानमंत्री

श्री मोहन मरकाम जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

श्री रविंद्र चौबे जी
केबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर जी
सांसद प्रत्याशी, दुर्ग लोकसभा

श्री देवेन्द्र यादव जी
विधायक, भिलाई

श्री भूषण साहू
समाजसेवी, दुर्ग

श्री हर्ष साहू
समाजसेवी, दुर्ग

श्री नीरज पाल
महापौर, भिलाई नगर निगम

श्री गिरवर बंटी साहू
सभापति, भिलाई नगर निगम

श्रीमती शशि सिन्हा
महापौर, रिसाली नगर निगम

श्री केशव चंद्रोर
सभापति, रिसाली नगर निगम

श्री मुकेश चन्द्राकर
अध्यक्ष, भिलाई जिला कां. कमेटी

श्री अरुण वोरा जी
केबिनेट मंत्री एवं अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम
छत्तीसगढ़

अरुण सिंह सिसोदिया
महासचिव, छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी

मोहम्मद इरफान खान
सचिव, छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी

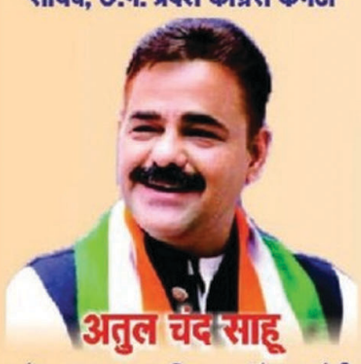

अतुल चंद साहू
कोषाध्यक्ष, शहर जिला कांग्रेस कमेटी

करमजीत सिंह बेदी (टीटू)
समाजसेवी, भिलाई

महेश चन्द जायसवाल
पूर्व सचिव, छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी

हेमंत सोनी
समाजसेवी, भिलाई

ग्राम पाउवारा से पंच सरपंच निर्वाचित
होकर जन सेवा करते हुए धमधा, बेमेतरा से
विधायक निर्वाचित होकर, दुर्ग लोकसभा के सांसद तत्पश्चात
छत्तीसगढ़ शासन में गृह, जेल, लोक निर्माण, पर्यटन मंत्री तक का सफर तय करने वाले
लोकप्रिय, सरल तथा परिश्रमी जनसेवक

श्री ताम्रध्वज साहू जी को
जन्मदिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

मोन्टू तिवारी
दुर्ग

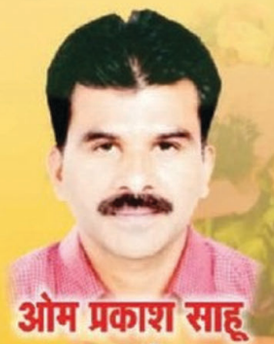

ओम प्रकाश साहू
दुर्ग

महेन्द्र यादव
भिलाई

जोसफ एन्थोनी
भिलाई

आरना सिंह

श्री जीतेन्द्र साहू
महामंत्री
छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

बृजमोहन सिंह

- विधायक प्रत्याशी, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र (2008)
- पूर्व उपाध्यक्ष, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, भिलाई-दुर्ग
- पूर्व अध्यक्ष, भिलाई नगर युवा कांग्रेस
- पूर्व अध्यक्ष, ब्लाक कांग्रेस कमेटी, सुपेला-कोसानाला
- पूर्व उपाध्यक्ष, रविशंकर विश्व विद्यालय छात्र संघ, रायपुर
- जिला निर्वाचन अधिकारी, अरुणाचल प्रदेश (कांग्रेस संगठन चुनाव)

संपूर्ण भारत वर्ष में सर्वाधिक तीव्रगति से जनहित का काम करने वाली सरकार-छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार-छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950